वर्ष : 33 ▸ अंक : 197 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, गुरुवार, 3 अक्टूबर 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

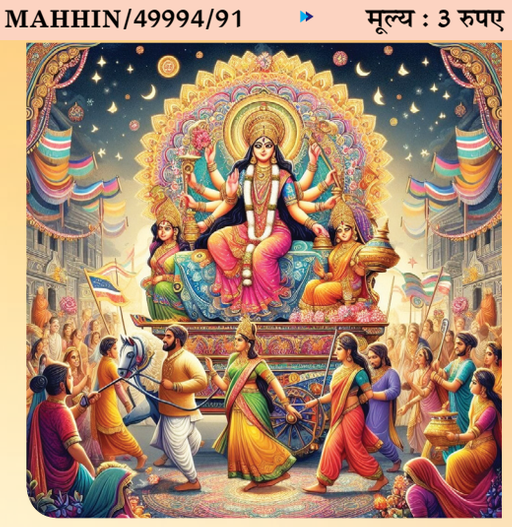

पालकी पर आज आएंगी देवी भवानी

शारदीय नवरात्रि

शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ तीन अक्तूबर गुरुवार से हो रहा है। देवी भवानी पालकी पर सवार होकर आ रही हैं। शारदीय नवरात्रि को देवी भगवती ने अपनी वार्षिक पूजा कहा है। इसका उल्लेख श्रीदुर्गा सप्तशती में भी है। मां भगवती के नौ स्वरुप प्रकृति स्वरुप, जगतोद्धार, रोगहरण और श्रीवृद्धि के कारक हैं। नवरात्रि 12 अक्तूबर तक होंगे। इस बार एक तिथि की वृद्धि हो रही है।

आश्विन मास की प्रतिपदा तिथि दो अक्तूबर की रात्रि 12.18 बजे लगेगी और तीन अक्तूबर को रात्रि 258 बजे तक रहेगी।

अभिजीत मुहूर्त

सुबह 11 बजकर 46 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 33 मिनट तक, (47 मिनट का समय मिलेगा)

घट स्थापना मुहूर्त

3 अक्तूबर गुरुवार

प्रात 6 .15 बजे से प्रात 7 .22 बजे तक

(कुल अवधि 1 घंटा 06 मिनट)

तृतीय और चतुर्थी तिथि को लेकर भ्रम

शारदीय नवरात्रि की तृतीया तिथि की वृद्धि अधिकांश ज्योतिषी बता रहे हैं। विद्वानों की राय में चतुर्थी तिथि की वृद्धि हो रही है। शारदीय नवरात्रि में चतुर्थी तिथि की वृद्धि और नवमी तिथि का क्षय हो रहा है। चतुर्थी तिथि छह अक्तूबर, रविवार को भोर में 04 .53 बजे से शुरू होकर सात अक्तूबर सोमवार की सुबह 6 .15 बजे तक रहेगी। दो दिन सूर्योदय काल में चतुर्थी तिथि मिलने के कारण इसकी वृद्धि हो रही है। वहीं, पंडित चिंतामणि जोशी के अनुसार कुछ पंचांगों में तृतीया तिथि 5 और 6 तो कुछ में चतुर्थी तिथि 6 और 7 अक्तूबर को दर्शायी गई है।

कलश स्थापना की विशेष बातें

- कलश ईशान कोण या पूरब- उत्तर दिशा में स्थापित करें।
- कलश पर स्वास्तिक बनाएं, मौली बांधें।
- कलश पर अष्टभुजी देवी स्वरूप आठ आम के पत्ते लगाएं।
- रोली, चावल, सुपारी, लौंग, सिक्का अर्पित करते हुए कलश स्थापित करें।

अखंड ज्योति के नियम

- घी और तेल दोनों की अखंड ज्योति जला सकते हैं
- घी का दीपक दाहिनी तरफ और तेल का दीपक बायीं तरफ होगा
- दीपक में एक लौंग का जोड़ा अवश्य अर्पित करें

कलश स्थापना का मंत्र

ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे नम

या- ऊं दुं दुर्गायै नम

या – ऊं श्रीं श्रीं ह्रीं ऊं

नवरात्रि की तिथियां

प्रतिपदा-3 अक्तूबर	: **मां शैलपुत्री**
द्वितीय- 4 अक्तूबर	: मां ब्रह्मचारिणी
तृतीया-5/6 अक्तूबर	: मां चन्द्रघण्टा (अधिकांश की राय में)
चतुर्थी-7 अक्तूबर	: मां कुष्मांडा
पंचमी-8 अक्तूबर	: मां स्कंदमाता
षष्ठी – 9 अक्तूबर	: मां कात्यायनी
सप्तमी 10 अक्तूबर	: मां कालरात्रि
अष्टमी 11 अक्तूबर	: मां महागौरी (दुर्गाष्टमी)
नवमी-12 अक्तूबर	: मां सिद्धिदात्री (नवमी)

प्रात: काल से 10 :58 तक उसके बाद विजय दशमी (दशहरा) पूजन

12 अक्तूबर : नवरात्रि (समापन) सुबह 10 :58 के बाद

महानवमी और दशहरा एक दिन

ज्योतिषाचार्य विभोर इंदूसुत के अनुसार, महानवमी और दशहरा एक ही दिन 12 अक्तूबर को मनाए जाएंगे। असल में 12 अक्तूबर को सूर्योदयकाल से सुबह 10 .58 तक तो नवमी तिथि उपस्थित रहेगी और 12 की सुबह 10 .58 से 13 की सुबह 9 बजकर 8 मिनट तक दशमी रहेगी। संध्याकाल में रावण दहन के समय दशमी तिथि केवल 12 अक्तूबर को ही रहेगी। इसलिए दशहरा पूजन और रावण दहन 12 अक्तूबर को ही किया जायेगा। 12 अक्तूबर को प्रातकाल से लेकर सुबह 1058 तक के बीच नवमी को कन्या पूजन किया जाएगा और 1058 के बाद दशहरा पूजन होगा।

दायित्वनामा

क्या हर फैसला कोर्ट करेगा..!

कहते हैं कि 21वीं सदी में मानव जीवन बेहतर से बेहतरीन हुआ है। गांधी- शास्त्री के इस देश में लोगों के निर्णय लेने की क्षमता बढ़ी है। इंसान के बेहतरीन फैसलों ने मानवता को आधुनिक दुनिया में लाया। पर बीते दो दशकों से मानव ने अपने फैसले लेने की क्षमता को निजत्व से जोड़ दिया दिखता है। कुछ लोग ऐसे हैं जो हर फैसले में अपना तत्कालीन लाभ भी देखना पसंद करने लगे हैं। यदि फैसले से उनका लाभ-हानि नहीं जुड़ा है तो वे उसमें रुचि नहीं दिखाते।

अरुण लाल
arunlal.y@gmail.com

आज हम आहत हैं एक युवक के तीन महीने के संघर्ष के कारण। भारत जैसे देश में पिछड़े गांव के गरीब बच्चों के पास मेहनत से पढ़ कर काबिल बनने के अलावा तरक्की के मार्ग कम ही हैं।

मामला है यूपी के मुज़फ़्फ़रनगर ज़िले के टिटोड़ा गांव के रहने वाले दलित मज़दूर अतुल राजेंद्र कुमार का। बीते दिनों जेईई एडवांस क्लीयर करने के बाद अतुल को आईआईटी धनबाद में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की सीट अलॉट हुई थी। गरीब मजदूर के बच्चे अतुल को फीस के 17,500 रुपए जमा करने के लिए 19 जून से 24 जून 2024 तक का समय मिला था। पूरी कोशिश के बाद भी अतुल के पिता यह रकम 24 जून तक जमा नहीं कर सके। किसी तरह से वे फीस जमा करके कॉलेज पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि उनकी सीट कैंसल हो गई। अतुल व पिता ने हर किसी के दरवाजे पर नाक रगड़ी, पर किसी ने उनकी नहीं सुनी। मजबूरन अतुल ने कोर्ट की राह पकड़ी। इसके बाद चीफ़ जस्टिस ऑफ़ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने 30 सितंबर को इस मामले में फ़ैसला सुनाया और आईआईटी धनबाद को निर्देश दिया कि अतुल को एडमिशन दिया जाए। कोर्ट ने आदेश दिया कि यदि कॉलेज में सीट खाली न हो तो अतुल के लिए एक अतिरिक्त सीट बनाई जाए और उन्हें हॉस्टल भी दिया जाए। हम यहां इस बात पर चर्चा करने नहीं आए हैं कि अतुल ने कैसे बिताए ये तीन महीने या फिर एक की जीत कैसे हुई। हम बात करना चाहते हैं इस पूरी व्यवस्था पर जिसमें बहुत सारे बुद्धिजीवी शामिल हैं। आखिर अतुल जैसे युवक को इस समस्या से जूझना ही क्यों पड़ा। क्यों भारत के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक आईआईटी के व्यवस्थापन मंडल ने कोई रास्ता नहीं निकाला। क्योंकर किसी को अतुल में एक काबिल युवक नहीं दिखा जो गांव में रहकर जेईई एडवांस की परीक्षा पास कर गया। भारत का सबसे बेहतर संस्थान होने का दंभ भरने वाले संस्थान में कोई एक भी ऐसा क्यों नहीं निकला जो अतुल की समस्या को समझ कर उसे निजात देने का प्रयास करता...!

हम समझते हैं कि हमारे समय में बहुत सारे अच्छे लोग किसी की बुराई न करने को ही अच्छाई समझते हैं। हमारा मानना है कि इस संस्थान में भी बहुत सारे अच्छे लोग होंगे, पर इनकी अच्छाई का अर्थ बस इतना भर है कि वे बुरे कामों से दूर रहें। पर हम अपना दायित्व समझते हैं कि हम सभी अच्छे को नींद से जगाएं और उन्हें कहें कि अच्छाई का अर्थ सीमित नहीं है, किसी के साथ गलत होता देख अपने रास्ते निकल लेना अच्छाई नहीं है। अच्छाई एक जिम्मेदारी है जो किसी के जीवन को बेहतर बनाने में योगदान देने से पूर्ण होती है। देश भर में ऐसे लाखों-करोड़ों अच्छे लोग हैं जो किसी अतुल के जीवन को सरल बना सकते हैं, पर किसी दूसरे के पचड़े में न पड़ने, अपने रास्ते चलने की अव्यवहारिक सोच से अतुल को यहां वहां भटकने पर मजबूर कर देते हैं। और जब वह कोर्ट के चक्कर लगाकर विजयी होता है तो मन ही मन सत्य की जीत पर प्रसन्न होते हैं। हम समझते हैं उन्हें शर्म आनी चाहिए कि यदि उन्होंने थोड़ा प्रयास किया होता तो अतुल को भयानक मानसिक यातनाएं न झेलनी पड़ती।

न्यूज़ ब्रीफ

महाराष्ट्र में मंत्री छगन भुजबल को जान से मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

मुंबई/बीड। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल को जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपित को पुलिस ने बीड़ जिले के आष्टी इलाके से बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आज ही आरोपित को नासिक कोर्ट में पेश किया और कोर्ट ने आरोपित को एक दिन तक की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपित ने छगन भुजबल को जान से मारने की धमकी दी थी। साथ ही आरोपित ने मैसेज के जरिए छगन भुजबल को भी अपशब्द कहे थे। इस मामले की शिकायत नासिक जिले के अंबड पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई गई थी। बुधवार को पुलिस ने बीड़ जिले के आष्टी इलाके से आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान रवींद्र यशवंत धानक के रूप में की गई है। पुलिस आरोपित से धमकी देने के कारणों को जानने का प्रयास कर रही है।

ठाणे में चिप्स बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगी, 4 सिलेंडर फटे

ठाणे। ठाणे में वागले एस्टेट ओल्ड इंडस्ट्रियल एरिया में मौजूद चिप्स बनाने वाली कंपनी में बुधवार दोपहर आग लग गई। अंदर रखे गैर सिलेंडरों ने भी आग पकड़ ली और उसमें ब्लास्ट हुए। घटना की जानकारी मिलते ही फायर डिपार्टमेंट की 8 गाड़ियां और 5 जंबो टैंकर मौके पर पहुंचे। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। लेकिन लाखों का नुकसान हुआ है।

पुणे में हेलिकॉप्टर क्रैश, 3 लोगों की हुई मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले के बावधन में बुधवार को एक हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। इसमें दो पायलट और एक इंजीनियर सवार थे। तीनों की मौत हो गई। घटना बावधन में केके कंस्ट्रक्शन हिल के पास सुबह करीब 6:45 बजे हुई। पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ के डीसीपी विशाल गायकवाड़ ने बताया कि हेलिकॉप्टर ने ऑक्सफोर्ड गोल्फ कोर्स के हेलिपैड से मुंबई के जुहू के लिए उड़ान भरी थी। करीब 10 मिनट बाद 1.5 किमी दूर जाकर हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसा पहाड़ी इलाके में हुआ। वहां सुबह के समय घना कोहरा था। क्रैश होने के बाद हेलिकॉप्टर में आग लग गई।

महाराष्ट्र चुनाव

महायुति का महामंथन

- ▸▸ सीट शेयरिंग समेत अघाड़ी को घेरने की बन रही रणनीति
- ▸▸ महाराष्ट्र में एनडीए गठबंधन को साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहिए : अमित शाह

राजा आदाटे । मुंबई

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह महायुति में सीट बंटवारे को लेकर इन दिनों महाराष्ट्र के दौरे पर है। मंगलवार को उन्होंने बीजेपी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बातचीत की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस से बात की और उनसे प्रदेश की राजनीतिक स्थिति, सीट शेयरिंग, सीटों के बंटवारे में आ रही कठिनाइयों और फॉर्मूले पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने बुधवार को महायुति के अन्य प्रमुख नेताओं की बैठक बुलाई। इस बैठक में उन्होंने सबसे पहले अजित पवार और उनके गुट के नेताओं से बात की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, सुनील तटकरे और मंगलप्रभात लोढ़ा भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है अमित शाह महायुति के तीनों नेताओं से चर्चा कर सीट समेत अन्य मुद्दों को भी अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

सबसे पहले अजित गुट से वार्ता

अमित शाह ने सबसे पहले अजित पवार से उन सीटों पर चर्चा की जिन सीटों के लिए अजित गुट का दावा है। जानकारी के मुताबिक अमित शाह की इस बैठक में तीन अहम मुद्दों पर चर्चा की जा गई। इनमें सीट बंटवारे के फॉर्मूला के अलावा इलेक्ट्रोल मेरिट का मानदंड तय करना भी है। अजित पवार ने पहले कहा था कि अगर किसी सीट पर किसी पार्टी का मौजूदा विधायक है लेकिन उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं है और वहां महायुति में शामिल किसी अन्य पार्टी का उम्मीदवार जीत सकता है तो उन्होंने उसे टिकट देने का फैसला किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री शिंदे से मिले शाह

इस चर्चा के बाद अमित शाह से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मिले और राज्य की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने अमित शाह को शिवसेना की ओर से संभावित सीटों की सूची पर कहा कि सीटों का बंटवारा जल्द किया जाना जरुरी है अन्यथा लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा में भी नुकसान हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे किसी भी कीमत पर राज्य में एनडीए गठबंधन की सरकार लेकर आएंगे। इसमें कोई शक नहीं है लेकिन सीटों के आवंटन का मामला जल्द निपटाया जाना चाहिए। इसी प्रकार अमित शाह ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी चर्चा की । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अन्य भाजपा नेताओं से चर्चा की और उनका विचार सुन लिया। अमित शाह बुधवार दोपहर दिल्ली के लिए रवाना हो गए। बताया जा रहा है कि दिल्ली में ही महाराष्ट्र में कौन सहयोगी दल कितनी सीटें लड़ेगा, इसका निर्णय होने वाला है।

मुंबई पुलिस ने गोविंदा से अस्पताल में की पूछताछ

अभिनेता ने दोहराई मिसफायर की बात, अपने आप गोली चलने की बात से संतुष्ट नहीं पुलिस

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस ने बुधवार को बॉलीवुड एक्टर गोविंदा (60) से अस्पताल में गोलीकांड पर पूछताछ की। गोविंदा 1 अक्टूबर को पैर में गोली लगने से घायल हो गए थे। उन्होंने कहा था कि वे रिवॉल्वर अलमारी में रख रहे थे, तभी गोली चल गई। गोविंदा के पैर का ऑपरेशन कर गोली निकाल दी गई है। वे मुंबई के क्रिटी केयर अस्पताल में भर्ती हैं।

जल्द ही दोबारा पूछताछ

जुहू पुलिस ने जब उनसे सवाल किए तो गोविंदा ने गोली के मिसफायर होने की बात दोहराई। एक्टर ने पुलिस को बताया कि रिवॉल्वर 20 साल पुरानी है। घटना मंगलवार सुबह करीब 4 .45 बजे की है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि पुलिस उनके इस बात से संतुष्ट नहीं है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि रिवॉल्वर जमीन पर गिरने से अपने आप गोली कैसे चल सकती है।

20 साल से एक ही बंदूक क्यों?

मुंबई पुलिस के सूत्रों का कहना है कि गोविंदा के पास जो बंदूक थी वो करीब 20 साल पुरानी है। हालांकि पुलिस ने ये साफ कर दिया है कि बंदूक लाइसेंसी थी।

सर्विस क्यों नहीं कराई?

गोविंदा 0 ।32 बोर की बंदूक का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस सूत्रों का कहना है कि गोविंदा ने अपनी इस बंदूक की लंबे वक्त से सर्विस भी नहीं कराई थी।

सेफ्टी का छोटा हिस्सा क्यों टूटा था?

सूत्रों से ये भी पता चला कि गोविंदी 20 साल पुरानी अपनी जिस बंदूक से घायल हुए उसके सेफ्टी लॉक का एक छोटा सा हिस्सा भी टूटा हुआ था। हालांकि हिस्सा जो टूटा था वो कितना ज्यादा था?

गन क्यों निकाली?

एक बड़ा सवाल ये भी है कि अगर गोविंदा को कोलकाता जाना ही था तो वो सुबह-सवेरे बंदूक के साथ क्या कर रहे थे?

गोली चली कैसे?

गोविंदा कई सवालों के ठीक से जवाब भी नहीं दे पा रहे हैं। अगर बंदूक के नीचे गिरने से ट्रिगर दबा भी तो गोली जमीन की सतह के साथ चलनी चाहिए, जबकि गोली ऊपर घुटने में लगी।

ठाणे मिड डे मील मामला

माता-पिता की शिकायत पर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ FIR दर्ज

धीरज सिंह । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे में एक निजी स्कूल में मिड डे मील खाने से बीते मंगलवार को 45 बच्चों की तबीयत खराब होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले में अब पुलिस ने विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। फिलहाल पुलिस ने मामले को लेकर किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। मिड डे मील में बच्चों को परोसे गए भोजन के सैंपल भी जांच के लिए भेजे गए हैं जिनकी रिपोर्ट अभी आनी बाकी है। मंगलवार को सामने आई इस घटना के बाद स्कूल में हड़कंप मच गया था। शुरुआत में आठ से 11 वर्ष की आयु के 38 बच्चों को दोपहर के भोजन के बाद चक्कर, मितली, सिरदर्द और पेट दर्द की शिकायत के बाद कलवा शहर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद देर रात को सात और बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी बच्चों का इलाज किया जा रहा है जिनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टर बच्चों की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

कलवा पुलिस ने दर्ज की शिकायत

इस घटना के बाद आज एक बच्चे के माता-पिता की शिकायत पर कलवा पुलिस ने स्कूल प्रबंधन तथा खाद्य आपूर्तिकर्ता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 (लापरवाही से निजी सुरक्षा या दूसरों की जान खतरे में डालना) और खाद्य एवं औषधि प्रशासन नियमों के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं की गयी है और मामले की जांच की जा रही है।

37 बच्चों की हालत स्थिर

अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी डॉ. अनिरुद्ध मलगांवकर ने पीटीआई-भाषा को बताया कि सभी 45 बच्चों के स्वास्थ्य पर नजर रखी जा रही है। ठाणे नगर निगम (टीएमसी) के एक अधिकारी ने बताया कि 45 में से 37 बच्चों की हालत अब ठीक है। 24 घंटे भर्ती करने के प्रोटोकॉल के बाद आज शाम को उन्हें डिसचार्ज कर दिया जाएगा। शेष आठ बच्चों में अभी भी बुखार और उल्टी के लक्षण हैं। उन्हें और 12 घंटे के लिए डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

मिड डे मील में खाया चावल-मोठ की सब्जी

घटना को लेकर टीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त संदीप मालवी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी बीमार बच्चों ने निजी स्कूल में मिड डे मिल खाया था। खाना खाने के बाद शुरुआत में पांच छात्रों ने बेचैनी की शिकायत की थी। धीरे-धीरे उनकी संख्या बढ़ती गई। जिसके बाद स्कूल प्रशासन ने एम्बुलेंस बुलाई और बच्चों के अस्पताल में भर्ती करवाया। बच्चों को भोजन में चावल और मोठ की सब्जी परोसी गयी थी। फिलहाल खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारियों ने परोसे गए भोजन के नमूने एकत्रित कर उन्हें जांच के लिए भेज दिया है।

लॉज में परोसी जाती थीं थाईलैंड की लड़कियां

छापे में हुआ भंडाफोड़, मालिक गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

ठाणे जिले में विदेशी महिलाओं से अवैध तरीके से देह व्यापार करवाने का मामला सामने आया है। विदेशी महिलाओं को अवैध तरीके से भारत में लाकर यह काम करवाया जाता था। ऐसे ही एक गिरोह का भंडाफोड़ बुधवार को ठाणे पुलिस के जबरन वसूली रोधी प्रकोष्ठ यानी एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने किया। ठाणे में अवैध रूप से चल रहे देह व्यापार रैकेट में 15 विदेशी महिलाओं को पुलिस ने

छुड़ाया हैं। लॉज में इन महिलाओं से देह व्यापार का काम करवाया जाता था। ठाणे पुलिस के जबरन वसूली रोधी प्रकोष्ठ ने बुधवार को जिले के उल्हासनगर क्षेत्र में एक लॉज पर छापा मारकर देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़ किया। इस कार्रवाई में पुलिस ने 15 थाईलैंड की नागरिक महिलाओं को मुक्त कराया। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अवैध तरीके से लाया गया भारत

पुलिस ने बताया कि छुड़ाई गई 15 महिलाएं थाईलैंड की हैं और उन्हें अवैध तरीके से भारत में लाया गया था। इस कार्रवाई में लॉज के प्रबंधक कुलदीप उर्फ पंकज देवराज सिंह (37) और चार अन्य कर्मचारियों को भारतीय न्याय संहिता और अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया।

पांच लाख रुपए नकदी जब्त

अधिकारी ने आगे बताया कि छापेमारी के दौरान पुलिस ने पांच लाख रुपए से अधिक की नकदी भी जब्त की है। यह राशि लॉज में देह व्यापार के धंधे से अर्जित की गई थी। पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इन महिलाओं को कैसे लाया गया और इस रैकेट के पीछे अन्य कौन से लोग शामिल हैं। इस प्रकार की कार्रवाई से यह संदेश दिया गया है कि ठाणे पुलिस ऐसे अवैध धंधों के खिलाफ कठोर कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। आगे की जांच में यह भी स्पष्ट होगा कि क्या इस रैकेट के पीछे कोई और बड़े आरोपी हैं।

पुलिसकर्मी को घायल करने के आरोपी ने फिर से किया हमला

पुलिसकर्मी व मरीज हुए गंभीर रूप से जख्मी

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर के विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में महिला कांस्टेबल पर हमला करने के 42 वर्षीय आरोपी बाबासाहेब सोनावणे ने अस्पताल ले जाने के बाद एक अन्य मरीज व पुकिसकर्मी पर हमला किये जाने की घटना सामने आई है। सेंट्रल पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक शंकर अवताडे ने बताया कि जब पुलिसकर्मी आरोपी के छुट्टी के कागजात तैयार कर रहा था, तब सोनवणे ने उसके सिर पर वार करने से पहले उससे पूछा कि क्या वह उसका (सोनवणे का) मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कर रहा है।

सोनवणे के खिलाफ नयी प्राथमिकी दर्ज

सोनवणे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 132 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और 118(1) (खतरनाक हथियारों या साधनों से जानबूझकर चोट पहुंचाना या गंभीर चोट पहुंचाना) के तहत एक नयी प्राथमिकी दर्ज की गई है, जो पिछले एक सप्ताह में तीसरी है।

26 सितंबर को महिला पुलिसकर्मी पर किया था हमला

पुलिस ने बताया कि सोनवणे को पहली बार तब गिरफ्तार किया गया था जब वह 26 सितंबर को ठाणे जिले के विट्ठलवाड़ी पुलिस थाने में घुस गया था और कथित तौर पर एक महिला कांस्टेबल पर धारदार हथियार से हमला करके उसे बुरी तरह घायल कर दिया था। उससे पहले उसने खुद को भी घायल कर लिया था। बाद में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि 28 सितंबर को अस्पताल में उपचार के दौरान आरोपी सोनवणे ने बगल के बिस्तर पर लेटे 28 वर्षीय एक अन्य मरीज पर कथित तौर पर लोहे का स्टूल फेंक दिया, जिससे वह घायल हो गया।

ओमी कालानी तुतारी सिंबल पर ही लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी जानकारी, लेकिन मौजूद नहीं रहा कालानी परिवार

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर में अफवाह थी कि ओमी कालानी भारतीय जनता पार्टी या शिवसेना से उल्हासनगर विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन ओमी कालानी न तो बीजेपी और न ही शिवसेना, बल्कि वह सिर्फ शरद चंद्र पवार की राष्ट्रवादी पार्टी के तुतारीसे लड़कर बिगुल बजायेंगे। बुधवार को एक पत्रकार परिषद करचुनाव में एनसीपी के प्रवक्ता कमलेश निकम और मनोज लासी ने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया है कि आने वाले मनपा चुनावों में भी बिगुल बजेगा।

अफवाह पर विराम

उल्हासनगर काराजनीति और सोशल मीडिया पर इस बात की चर्चा होने लगी कि क्या ओमी कालानी शिंदे की पार्टी शिव सेना में शामिल होंगे या फिर बीजेपी में शामिल होंगे। हालांकि, कलानी ने इन सभी चर्चाओं को अफवाह बताते हुए कहा है कि वह राष्ट्रवादी शरद पवार गुट के चुनाव चिन्ह बिगुल पर चुनाव मैदान में होंगे। कालानी परिवार के कट्टर समर्थक कमलेश निकम, मनोज लासी, अजीत मखीजानी, आनंद शिंदे और पंकज त्रिलोकानी ने बुधवार दोपहर कालानी महल स्थित एनसीपी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। निकम ने कहा कि कालानी परिवार शरद पवार का कट्टर समर्थक है और पिछले विधानसभा में पार्टी ने ज्योति कालानी को समय पर टिकट देने के बावजूद भरत गंगोत्री को टिकट दिया था। टिकट बंटवारे को लेकर शरद पवार, जयंत पाटिल, जीतेंद्र अवाद और पप्पू कालानी के बीच चर्चा हुई। निकम ने संकेत दिया है कि जब महागठबंधन की ओर से उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी तो उसमें ओमी कलानी का नाम होगा और निकम ने यह भी कहा कि कलानी परिवार ने चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। महागठबंधन के सहयोगी स्थानीय ठाकरे समूह और कांग्रेस पार्टी के नेता पहले ही कालानी को अपना समर्थन देने की घोषणा कर चुके हैं। निकम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी कहा कि ओमी कालानी तुतारी चुनाव चिह्न पर चुनाव मैदान में उतरेंगे।

भावली बांध में डूबने से मुंबई के युवक की मौत

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई से आए चार मित्रों में एक की इगतपुरी के भावली बांध में डूबने से मौत हुई है। तहसील के पर्यटन क्षेत्र भावली बांध में मुंबई से आए चार मित्रों में एक अतिक नासिर खान (24), वर्सोवा की पानी में डूबने से मौत हो गई। वो दोस्तों के साथ बुधवार सुबह 7 बजे के आसपास धरण परिसर में घूमने आया था। जब वो धरण के ओवरफ्लो पॉइंट के पास गया, तो उसने अपने दोस्तों से पानी में तैरने के लिए कहा और खुद भी पानी में उतर गया, कुछ देर बाद जब उसके दोस्त पानी से बाहर आए, लेकिन अतिक पानी में तैरता रहा। जब अतिक कुछ देर तक बाहर नहीं आया, तो उसके दोस्तों ने आवाज देकर तलाश शुरू की, लेकिन जब उन्हें पता चला कि अतिक डूब गया है, तो उन्होंने स्थानीय लोगों से मदद मांगी और पुलिस थाने में घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय तैराकों की मदद से पानी में डूबे अतिक की तलाश शुरू की। दोपहर तीन बजे तक डूबे हुए युवक को बाहर निकालने में सफलता मिली।

उल्हासनगर शहर की स्वच्छता में एक नया अध्याय

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर के विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत योजना 2.0 के तहत उल्हासनगर शहर में प्रधानमंत्री द्वारा मलनिःसारण (सीवेज) योजना का भूमिपूजन के तीसरे चरण का ऑनलाइन उद्घाटन कर भूमिपूजन किया। यह उल्हासनगर के सिंधु भवन में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर किया गया। नई दिल्ली के विज्ञान भवन से ऑनलाइन आयोजित किया गया। उल्हासनगर के सिंधु भवन में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक कुमार आयलानी,मनपा आयुक्त विकास ढाकने और शहर के गणमान्य लोग इस महत्वपूर्ण समारोह में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री ने किया उल्हासनगर मलनिस्सारण योजना का भूमिपूजन

दशकों से नालियां जर्जर

उल्हासनगर शहर में पिछले कुछ दशकों से नालियां जर्जर हो चुकी थीं. 2005 की बाढ़ के बाद से शहर को डैनेज लाइन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयीं थी। और शहर का मल सीधे उल्हास और वलधुनी नदियों में छोड़ा जा रहा था, जिससे शहर के पर्यावरण और पेयजल स्रोतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। अमृत योजना 2.0 के तहत उल्हासनगर शहर के लिए 416.66 करोड़ रुपये की सीवरेज योजना को मंजूरी दी गई थी, जिसमें 228 किलोमीटर सीवरेज, 19-50 डी.एल.एल. का निर्माण शामिल है। क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण, संपत्तियों को सीवर से जोड़ना, सड़कों की पूर्व मरम्मत, सम्राट अशोकनगर नाला, रेलवे क्रॉसिंग नाला, भारत नगर नाला, अंबिका नाला आदि पर सीवर के लिए रेलवे क्रॉसिंग का निर्माण इस योजना में शामिल थे और उल्हासनगर शहर में 38 किमी ड्रेनेज लाइन डाली गयीं। साथ ही शहर में 1210 मैनहोल का निर्माण किया गया। इस योजना का तीसरा चरण पूरा होने के बाद शहर में सीवेज प्रबंधन में सुधार होगा और इसका सीधा असर नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ेगा. पर्यावरण में सुधार इस योजना का मुख्य उद्देश्य है और यह शहर के सतत विकास में बहुत योगदान देगा।

शादी का झांसा देकर दो महीनों तक करता रहा यौन शोषण

पीड़िता ने भोईवाड़ा पुलिस में कराया केस दर्ज

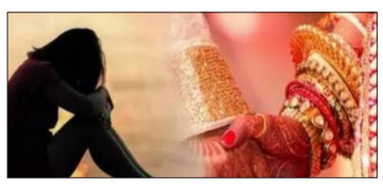

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन अंतर्गत एक 19 वर्षीय युवती को शादी का झांसा देकर करीब दो महीनों तक उसके साथ यौन संबंध बनाने के बाद शादी से इनकार करने पर पीड़िता ने भोईवाड़ा पुलिस में मामला दर्ज कराया है।

पुलिस के अनुसार भिवंडी के भंडारी इलाके की 19 वर्षीय युवती ने भोईवाड़ा पुलिस को बताया कि जुनैद खान (23) ने उसे शादी करने की कसम दिया था और कहा कि हम मंगनी करने के बाद जल्द शादी करने के बाद हम दोनों पति पत्नी की तरह साथ रहेंगे। इस तरह झांसा देकर जुनैद ने 27 जून से 23 अगस्त तक युवती के घर और रांजणोली नाका स्थित हाइवे पर होटल में उसके साथ कई बार यौन संबंध भी बनाए। परंतु अब शादी से इनकार कर दिया और कहीं फरार हो गया है।

इस प्रकरण में भोईवाड़ा पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर जुनैद खान के खिलाफ बीएनएस की धारा 69 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जिसके बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है। मामले की जांच सहा. पुलिस निरीक्षक शैलेंद्र म्हात्रे कर रहे हैं।

431 ग्राम पंचायतों में मनाया गया स्वच्छ भारत दिवस

दोपहर संवाददाता । ठाणे

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर 2 अक्टूबर 2024 को जिला परिषद ठाणे के अंतर्गत स्वच्छ भारत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भिवंडी तहसील के तलावली गांव में संत गाडगे बाबा एवं महात्मा गांधी की छवि पर पुष्पांजलि अर्पित कर परियोजना निदेशक अतुल पारस्कर, पंचायत समिति भिवंडी के समूह विकास अधिकारी गोविंद खामकर, ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा किया गया।इस अवसर पर स्वच्छता की शपथ ली गई तथा ग्राम पंचायत में वृक्षारोपण किया गया। स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर तलवली ग्राम पंचायत में एक नये

सार्वजनिक शौचालय का उद्घाटन भी किया गया। इस अवसर पर ठाणे जिले के सभी गांवों में ग्रामीणों ने स्वच्छता की शपथ ली। समापन कार्यक्रम आज 2 अक्टूबर को प्रत्येक गांव में स्वच्छ भारत दिवस बड़े उत्साह से मनाया गया तथा स्वच्छ मी आंगन प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले परिवारों को सम्मानित किया गया।

श्रमदान के माध्यम से साफ-सफाई

इस अभियान के तहत जिले की 431 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों, धार्मिक स्थलों, बाजारों, नदी तटों, सड़कों एवं पर्यटक स्थलों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों की श्रमदान के माध्यम से साफ-सफाई की गई। इस श्रमदान गतिविधि में स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में एनएसएस, एनसीसी के छात्र, गैर सरकारी संगठन, विभिन्न मंडल और सरकारी कर्मचारी शामिल हुए। स्वच्छता से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ तहसील और जिला स्तर पर लागू की गई हैं और 17 सितंबर से 1 अक्टूबर की अवधि के दौरान, ग्राम स्तर पर प्रतिदिन विभिन्न सफाई गतिविधियाँ लागू की गई हैं। अभियान ने 'सफाई मित्र सुरक्षा शिविर' का आयोजन किया और सफाई मित्रों के लिए एक खिड़की योजना के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया।इस पहल के तहत गांव में एक पौधा मां के नाम पर लगाया गया। स्वच्छता अभियान के अनुरूप एकल प्लास्टिक विरोधी अभियान चलाया गया है और लोगों को प्लास्टिक का उपयोग कम करने के प्रति जागरूक किया गया है।

मुफ्त चिकित्सा शिविर में 600 लोगों के स्वास्थ्य की हुई जांच

दोपहर संवाददाता । ठाणे

नौपाडा कोपरी प्रभाग समिति के अंतर्गत लायंस क्लब व राजस्थान प्रगती मंडल की ओर से महाराज अग्रसेन की जयंती के उपलक्ष्य में मुफ्त चिकित्सा शिविर का श्री महादेव शिव मंदिर नियर सिद्धि स्कूल,कोपरी कालोनी में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया गया, जिसमें ब्लड शुगर,स्वास्थ्य जांच,ईसीजी,ब्लड प्रेशर, कान,दाँत,आँख,चश्मे का फ्रेम मुफ्त में और लेंस आधे कीमत पर उपलब्ध था। समाज सेवक व राजस्थान प्रगती मंडल के अध्यक्ष राकेश मोदी ने बताया कि इस स्वास्थ्य शिविर में 200 महिला व 400 पुरुषों ने जांच का लाभ लिया।

भिवंडी में कचरा उठाने के बजाय जलाने का षड्यंत्र

लाखों लोगों का स्वास्थ्य खतरे में

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका क्षेत्र में जगह जगह लगा कचरे का ढेर अब मनपा प्रशासन के लिए एक जटिल समस्या बन गया है। इस समस्या से निपटने के लिए शहर के सड़कों के किनारे जमा सैकड़ों टन कचरे को अब सफाई विभाग के अधिकारी और ठेकेदार मिलकर सुनियोजित ढंग से कचरा उठाने की समस्या से निजात पाने हेतु जलाने का काम करने में जुटे हुए है। ठेकेदारों की लापरवाही और मनपा के स्वास्थ्य विभाग की घोर लापरवाही के कारण लाखों नागरिकों का स्वास्थ जहरीले धुंए के कारण खतरे में पड़ गया है, साथ ही भिवंडी शहर का पर्यावरण दूषित हो रहा है। भिवंडी कांग्रेस के नेता अनंता पाटिल ने मनपा प्रशासन से कचरे को जलने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने का निवेदन किया है।

केडीएमसी ने साफ-सफाई में योगदान देने वाले लोगों को किया सम्मानित

दोपहर संवाददाता । कल्याण

18 सितम्बर 2024 से मनपा क्षेत्र में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। 2 अक्टूबर 2024 को इसी अभियान के तहत ₹प्रकृति-स्वच्छता-संस्कार-स्वच्छता₹ की अवधारणा के अनुरूप नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने, जन-जन को जागरूक कर पर्यावरण की स्थिति में सुधार हेतु प्रयास करने हेतु जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय समस्याओं के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता, मनपा के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की स्वच्छता में नागरिकों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए जी + 7 से जी + 16 और जी + 17 समूहों में भाग लेने वाली समितियों के माध्यम से विभाग, स्वच्छ समितियों को मापदंड के अनुसार नकद राशि एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उक्त सोसायटियों के प्रतिनिधियों ने संबंधित सोसायटियों द्वारा किए गए स्वच्छता कार्यों पर उचित ध्यान देने के लिए आयुक्त डॉ. इंदु रानी जाखड़ का मनपा को धन्यवाद दिया और आश्वासन दिया कि हम स्वच्छता के संबंध में नगर निगम को सहयोग करना जारी रखेंगे। साथ ही मनपा क्षेत्र के स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल सरकारी कार्यालयों एवं वार्ड कार्यालयों के साथ-साथ स्वच्छता निरीक्षकों, स्वच्छता अधिकारियों, मुकादमों एवं सफाई कर्मियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

दक्षिण मुंबई के महामार्गों से निकली मुंबई महानगर के 53 संघों की भव्य महारथ यात्रा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

रविवार को दक्षिण मुंबई के मध्यवर्ती महामार्गों पर जैन शासन के तपागच्छ के सबसे सुविशाल समुदाय 'सुरिरामचंद्र' समुदाय सहित 'सूरि शांतिचंद्र समुदाय के मुंबई महानगर में बिराजमान पू.आ. श्री वि. प्रदीपचंद्रसुरिश्वरजी महाराजा, पू. आ. श्री जयदर्शन सुरिश्वरजी महाराजा, पू. आ. श्री वि. भव्यचंद्रसुरिश्वरजी महाराजा, पूज्य आचार्य श्री वि. हितरतन सुरिश्वरजी महाराजा आदि पदस्थ भगवत, विशाल श्रवण तथा श्रमणी भगवंत की पावन उपस्थिति में हजारों मानव महेरामण के बीच अभूतपूर्व उल्लासमेय वातावरण में महा रथ यात्रा का शास्त्र सापेक्ष अनुष्ठान संपन्न हुआ।

53 संघ इस महारथयात्रा में शामिल

मुंबई महानगर और उसके आसपास के 53 संघ इस महारथयात्रा में शामिल हुए, जिसके अंतर्गत चार रजतमय परमात्मा को देवविमान तुल्य रथ में ठाठ के साथ बैठाया गया तो अन्य 20 रजतमय परमात्मा को अलग-अलग संघ के आराधकों ने अति मनोहर सिबिका (पालकी) में विराजमान कर सुंदर पूजा के वस्त्र पहनकर इस रथ तथा पालकी को वहन किया था। 600 से अधिक भाइयों ने पूजा के परिधान में इस रथ पालकी को वहन करने का लाभ लिया था। महाराष्ट्र के मंचर स्थित जिनालय में प्रतिष्ठित होने वाले विशालकाय श्री आदिनाथ प्रभु को भी विराजित किया गया था। रथ यात्रा के अंदर 150 से अधिक वादकों को बैठाया गया था और जिसके अंदर 15 से अधिक बैंड तथा मंडली वातावरण को भक्तिमय में बना रही थी।

राज्यपाल, कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा आदि ने किया दर्शन

महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्ण, कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, डायमंड अग्रणी भरतभाई शाह, विनोदभाई अजबानी, राजेनभाई शाह, रमनभाई शाह, हितेशभाई मोता आदि महानुभाव ने इस रथ यात्रा के दर्शन कर धन्यता का अनुभव किया था। महाराष्ट्र के राज्यपाल ने रथ यात्रा के शुभप्रयाण को हरी झंडी दी। समस्त जैन समाज अहिंसा तथा जीव दया प्रेमी संप्रदाय होने से धार्मिक तथा सामाजिक कार्यों के लिए शुभकामना दी। साथ ही साथ महावीर स्वामी के 2550 निर्वाण वर्ष के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य में चल रहे निबंध स्पर्धा के लिए संबोधन किया।

मानसरोवर में 3 अक्टूबर से शुरू होगा भव्य रामलीला महोत्सव का आयोजन

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी आदर्श रामलीला कमेटी मानसरोवर, भिवंडी की तरफसे 3 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक रामलीला के भव्य मंचन का आयोजन मानसरोवर कांप्लेक्स में किया गया है।

कई वर्षों से होता आ रहा है रामलीला का आयोजन

गौरतलब हो कि भिवंडी शहर में नवरात्रि के समय होने वाली इस इकलौती रामलीला का आयोजन विगत कई वर्षों से मानसरोवर कांप्लेक्स परिसर में किया जा रहा है। आदर्श रामलीला कमेटी मानसरोवर, भिवंडी के अध्यक्ष सत्य प्रकाश सिंह और सेक्रेटरी मंगलेश शर्मा ने बताया इस वर्ष भी भव्य रामलीला का आयोजन 3 अक्टूबर से 12 अक्तूबर 2024 तक सायं 7:00 बजे से रात 10:00 बजे तक होगा। 12 अक्टूबर को शाम 6:00 बजे से 8:00 तक मानसरोवर कांप्लेक्स में भगवान श्री राम दरबार की भव्य झांकी निकाली जाएगी, उसके पश्चात रावण के पुतले का दहन होगा।

दो बजे
दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार विकास संघर्ष से आता है, आराम से नहीं : अल शार्प्टन

जांच के लिए समिति गठित

अक्षय शिंदे एनकाउंटर मामला

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बदलापुर दुष्कर्म मामले के आरोपित अक्षय शिंदे की पुलिस एनकाउंटर में हुई मौत की छानबीन के लिए महाराष्ट्र सरकार ने हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज दिलीप भोसले की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच समिति गठित की है। इस जांच समिति को 3 महीने के अंदर जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपने का आदेश दिया गया है। जानकारी के अनुसार बदलापुर दुष्कर्म मामले की जांच ठाणे एसआईटी कर रही थी, लेकिन 23 सितंबर को ठाणे एसआईटी टीम आरोपित अक्षय शिंदे को तलोजा जेल से बदलापुर पुलिस वेन में ला रही थी। उसी दिन मुंब्रा में पुलिस एनकाउंटर में अक्षय शिंदे घायल हो गया था। पुलिस ने घायल अक्षय शिंदे को कलवा स्थित शिवाजी अस्पताल में पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने अक्षय शिंदे को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने एनकाउंटर मामले की छानबीन सीआईडी को सौंप दी थी, लेकिन इस मामले में आरोपित अक्षय शिंदे के पिता अन्ना शिंदे ने बाम्बे हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर आरोप लगाया है कि बदलापुर दुष्कर्म मामले के असली आरोपितों को बचाने के लिए उसके बेटे की पुलिस ने हत्या कर दी।

महाराष्ट्र में चुनावी महाभारत से पहले जुबानी जंग का दौर शुरु

देवेन्द्र फडणवीस के 'वोट जिहाद' पर सुप्रिया सुले का वार

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में चुनावी महाभारत से पहले जुबानी जंग का दौर शुरू हो चुका है। मंगलवार को भाजपा नेता और सूबे के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने 'वोट जिहाद' वाला बयान देकर महाराष्ट्र की राजनीति में चिंगारी भड़का दी। इसके बाद अब विपक्षी पार्टियां उनपर हमलावर हैं। सुप्रिया सुले समेत कई दिग्गज नेताओं ने इस बयान को मुद्दा बनाकर फडणवीस को निशाने पर लिया है।

सुप्रिया सुले ने क्या कहा ?

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के 'वोट जिहाद' वाले बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में गृह मंत्री के तौर पर देवेंद्र फडणवीस का रिकॉर्ड सबसे खराब रहा है। उनके पास कहने के लिए और कुछ नहीं है, क्योंकि उन्होंने राज्य के लिए कुछ नहीं किया है। सांसद सुप्रिया सुले ने आगे कहा कि उनकी पार्टी ईडी और सीबीआई एजेंसियों का दुरुपयोग करती है। यह दूसरी पार्टियों को तोड़ने और उनके चुनाव चिन्ह को छीनने का काम करती है। इसलिए मैं उनके बयान से हैरान नहीं हूं, क्योंकि उनके पास कोई और एजेंडा नहीं है।

आप भी हिंदू वोटों का जिहाद कर रहे: प्रकाश आंबेडकर

'वोट जिहाद' वाले बयान को लेकर फडणवीस को निशाने पर लेते हुए वंचित बहुजन अघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर ने कहा कि अगर मुस्लिम वोटों को जिहाद बताते हैं तो आप भी हिंदू वोटों का जिहाद कर रहे हैं। इसके अलावा कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने भी डिप्टी सीएम के बयान को समानता के मूल्यों का अपमान करार दिया है।

संजय राउत ने साधा निशाना

शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेत संजय राउत ने भी फडनवीस के बयान को लेकर उन पर जोरदार प्रहार किया। उन्होंने कहा कि क्या भ्रष्टाचारी लोगों से गठबंधन करना वोट जिहाद नहीं है? उन्होंने सीएम एकनाथ शिंदे का जिक्र करते हुए कहा कि आप ऐसे व्यक्ति के साथ गठबंधन में हैं जिसने 70 हजार करोड़ का घोटाला किया है।

क्या बोले थे देवेंद्र फडणवीस ?

आपको बता दें कि कोल्हापुर में कनेरी मठ संत समावेश के कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 14 सीटों पर वोट जिहाद देखने को मिला। एक खास समुदाय के लोगों ने हिंदुत्व के उम्मीदवारों को हराने के लिए बढ़-चढ़कर वोट किया। साथ ही उन्होंने दूसरे समुदायों की जनसंख्या वृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि 14 विधानसभा क्षेत्रों में वोट जिहाद का पैटर्न देखने को मिला।

शरद पवार की पार्टी ने जारी किया आरोपपत्र

महायुति सरकार पर लगाए कई आरोप

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले, शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने महाराष्ट्र की महायुति सरकार के खिलाफ एक ''आरोपपत्र'' प्रस्तुत किया है। इस आरोपपत्र में राज्य से उद्योगों के पलायन और कानून-व्यवस्था की स्थिति को गंभीरता से उठाया गया है। शरद पवार के नेतृत्व में एनसीपी ने महाराष्ट्र की आर्थिक गिरावट, उद्योगों के पलायन और महिला सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक नया अभियान शुरू किया है।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा तक मार्च

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले और जयंत पाटिल की अगुवाई में पार्टी नेताओं ने मंत्रालय के पास महात्मा गांधी की प्रतिमा से पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा तक मार्च किया और बाद में दक्षिण मुंबई के हुतात्मा चौक तक पैदल यात्रा की। जयंत पाटिल ने बताया कि अभियान का नाम ''हक्क मागतोय महाराष्ट्र'' (हक मांग रहा महाराष्ट्र) है, जिसमें विभिन्न मीडिया पर विज्ञापनों और एक नए गाने का भी समावेश होगा। पहला विज्ञापन बढ़ती बेरोजगारी और प्रमुख परियोजनाओं के गुजरात में स्थानांतरित होने पर केंद्रित होगा।

'गडकरी सही बोल रहे'

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जयंत पाटिल ने कहा कि गडकरी की टिप्पणियां राज्य की वित्तीय स्थिति को सही बता सकती हैं। पाटिल ने कहा कि लाडकी बहिन योजना अन्य योजनाओं की सब्सिडी को प्रभावित करेगी। जिससे लोगों को योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। पाटिल ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता गडकरी हमेशा स्पष्ट बातें करने के लिए जाने जाते हैं। उनकी बातों से यह प्रतीत हो रहा है कि राज्य की वित्तीय स्थिति सही नहीं है।

'छत्रपति शिवाजी महाराज, ज्योतिबा फुले की विचारधारा को कमजोर किया'

शरद पवार गुट के नेता जयंत पाटिल ने आरोप लगाया कि पिछले दस वर्षों में भाजपा और उसकी सहयोगियों पार्टियों ने प्रमुख समाज सुधारकों छत्रपति शिवाजी महाराज, ज्योतिबा फुले, बाबा साहब आंबेडकर और ज्योतिबा शाहू की विचारधारा को कमजोर किया है। उन्होंने किसानों की परेशानियों और महंगाई के मुद्दे को उठाया, साथ ही यह भी कहा कि महाराष्ट्र को केंद्रीय बजट में उचित हिस्सेदारी नहीं मिली है। जयंत पाटिल ने भाजपा की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निर्भरता को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि यह चुनावों के बाद महाराष्ट्र में सरकार में बदलाव का संकेत है। उन्होंने भाजपा द्वारा देशी गायों को राज्यमाता घोषित करने के फैसले पर भी सवाल उठाया, यह पूछते हुए कि क्या इससे गोमांस निर्यातकों को चुनावी बॉण्ड के जरिए धन मिल रहा है।

महाआघाडी की नवरात्रि के बाद शुरू होंगी संयुक्त सभाएं

दोपहर संवाददाता । मुंबई

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य के सभी दल अपनी-अपनी चुनावी तैयारी में जुटे हुए हैं। लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी महाविकास आघाडी और महायुति में मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनों ही गठबंधनों में सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत लगभग आखिरी दौर में पहुंच चुकी है। सूत्रों का कहना है कि नवरात्रि में महाविकास आघाडी में सीटों का बंटवारा हो जाएगा। 10 अक्टूबर के बाद महाविकास आघाडी के दलों की संयुक्त सभाएं शुरू हो जाएंगी। चुनाव प्रचार में तीनों ही दलों ने बड़े नेताओं को चुनाव मैदान में उतारने का प्लान बनाया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि आघाडी में कुछ सीटों को छोड़कर लगभग ज्यादातर सीटों पर बंटवारा तय हो गया है। आघाडी के दलों में जैसे ही सीटों का बंटवारा हो जाएगा, इसके बाद संयुक्त सभा शुरू हो जाएंगी। इस नेता ने ये भी कहा कि महाआघाडी में सीट बंटवारे के साथ-साथ किस विधानसभा क्षेत्र में कहां सभा आयोजित की जा सकती हैं, इसको लेकर भी चर्चा की जा रही है। आघाडी की संयुक्त सभाओं में तीनों ही दलों के प्रमुख नेताओं की एक साथ करीब एक दर्जन से ज्यादा रैलियां होंगी। जिसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आलावा सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, राकांपा (शरद) अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना (उद्धव) पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे भी शामिल होंगे। अगले कुछ दिनों में उन सीटों को चिन्हित किया जाएगा, जहां बड़े नेताओं के पहुंचने के बाद माहौल बदल सकता है।

'सुंदर लड़कियां' किसान के बेटे को पसंद नहीं करतीं'

दोपहर संवाददाता । मुंबई/अमरावती

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है. राजनीतिक दलों की ओर से चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया गया है. इस बीच उपमुख्यमंत्री अजित पवार का समर्थन करने वाले अमरावती जिले के एक विधायक ने महिलाओं को लेकर विवादित बयान दे दिया है. विधायक ने यह दावा करके विवाद खड़ा कर दिया कि एक "किसान के बेटे" को खूबसूरत लड़कियां शादी के लिए नहीं मिलती हैं. सुंदर दिखने वाली लड़कियां ऐसे आदमी के साथ शादी करना पसंद करती हैं, जिसके पास स्थिर और बढ़िया नौकरी होती है. वारुद- मोर्शी विधानसभा सीट से निर्दलीय विधायक और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के समर्थक देवेंद्र भुयार कल मंगलवार को जिले की वरुद तहसील में एक सभा में बोलते हुए किसानों की समस्याओं के बारे में बात कर रहे थे. उन्होंने कहा, "अगर कोई लड़की सुंदर है, तो वह आप और मेरे जैसे लोगों को पसंद नहीं करेगी, बल्कि वह नौकरी करने वाले आदमी (अपना पति चुनते समय) को चुनेगी."

महाराष्ट्र के विधायक देवेंद्र भुयार के बिगड़े बोल

'ऐसे में सुंदर बच्चे पैदा नहीं होते'

लड़कियों की पसंद का जिक्र करते हुए उन्होंने आगे कहा, "जो लड़कियां दूसरे नंबर पर हैं यानी जो कुछ कम सुंदर हैं, वे किराने की दुकान या पान की दुकान चलाने वाले आदमी को पसंद करती हैं। उन्होंने कहा, "तीसरे नंबर की लड़की किसान के बेटे से शादी करना पसंद करेगी। सिर्फ "सबसे कम सुंदर" लड़कियां ही किसान परिवार के लड़के से शादी करती हैं।" निर्दलीय विधायक भुयार ने अपनी निराशा जाहिर करते हुए कहा कि इस तरह की शादी से पैदा हुए बच्चे भी सुंदर नहीं होते।

महिलाओं का अपमान करना गलत: MLA ठाकुर

अमरावती जिले से ही विधायक यशोमति ठाकुर ने कहा, "उपमुख्यमंत्री अजित पवार और सत्ता में बैठे नेताओं को अपने विधायकों को नियंत्रण में रखना चाहिए। महिलाओं का अपमान करना गलत है। ऐसे विधायकों को शर्म आनी चाहिए। महिलाओं के लिए इस तरह के कैटेगराइजेशन को कोई बर्दाश्त नहीं करेगा। समाज आपको सबक जरूर सिखाएगा।" वहीं बीजेपी नेता चंद्रकांत पाटिल ने भी इस बयान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "मुझे नहीं पता कि देवेंद्र भुयार ने क्या कहा है। लेकिन अगर उनके इस बयान का अर्थ गलत निकला, तो भुयार को माफी मांगनी चाहिए।"

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने पत्रकारों के लिए की घोषणाओं की बरसात

पत्रकारों के बच्चों के लिए बिन ब्याज एक करोड़ का शिक्षा कर्ज

दोपहर संवाददाता । मुंबई

आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी ने पत्रकारों के लिए घोषणाओं की बरसात की है। पार्टी द्वारा जारी 'वर्किंग पेपर' में पत्रकारों के लिए कई लोकलुभावने वादे किए गए हैं। पार्टी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने महानगर के एक पंच सितारा होटल में वरिष्ठ पत्रकारों के बीच इसे जारी किया। खेड़ा ने कहा कि यह वर्किंग पेपर चर्चा के लिए एक मसौदा है। इन प्रस्तावों को और बेहतर बनाने के लिए मीडिया पेशेवरों से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

1. पत्रकार सुरक्षा कानून को करेंगे मजबूत: 'महाराष्ट्र मीडियाकर्मी और मीडिया संस्थान अधिनियम, 2017' में संशोधन होगा। पत्रकारों की बेहतर सुरक्षा के लिए निम्नलिखित संशोधन प्रस्तावित हैं। पत्रकारों को उत्पीड़न, धमकी, गलत तरीके से बंधक बनाने से बचाने के लिए अधिनियम का विस्तार किया जाएगा और झूठे कानूनी मामलों को सुलझाने के लिए अधिनियम में संशोधन के 90 दिनों के भीतर महाराष्ट्र पत्रकार स्वतंत्रता, संरक्षण और संवर्धन समिति का गठन किया जाएगा। इस समिति को मीडियाकर्मियों के उत्पीड़न, हिंसा, झूठे आरोपों और गलत गिरफ्तारी से संबंधित शिकायतों को संबोधित करने और हल करने का अधिकार होगा। यह समिति पत्रकारों पर हमलों के मामलों की निगरानी करेगी, यह सुनिश्चित करेगी कि उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जाए तथा मामलों का शीघ्र समाधान किया हो।

2. पत्रकारों के लिए आवास: पत्रकारों को टियर 1 शहरों में 1 करोड़ रुपये तक, टियर 2 शहरों में 50 लाख रुपये तक और टियर 3 शहरों में 30 लाख रुपये तक के आवास ऋण पर 5% ब्याज सब्सिडी मिलेगी। पत्रकार संघों या निकायों को आवासीय सोसायटियों और कॉलोनियों के विकास के लिए रियायती दरों पर सरकारी भूमि का 30 वर्षीय पट्टा प्रदान किया जाएगा। सरकार की गृह निर्माण परियोजनाओं में पत्रकारों का कोटा बढ़ाया जाएगा।

3. व्यापक बीमा कवरेज: 5 लाख, 10 लाख और 20 लाख रुपये की जीवन बीमा पॉलिसियाँ उपलब्ध कराई जाएंगी। 5 लाख रुपये की पॉलिसी प्रीमियम-मुक्त होगी और उच्चतर पॉलिसियों के प्रीमियम के लिए राज्य 50% का योगदान देगा।

सुशील कुमार शिंदे ने आत्मकथा में की सावरकर की तारीफ

राजा अदाटे । मुंबई

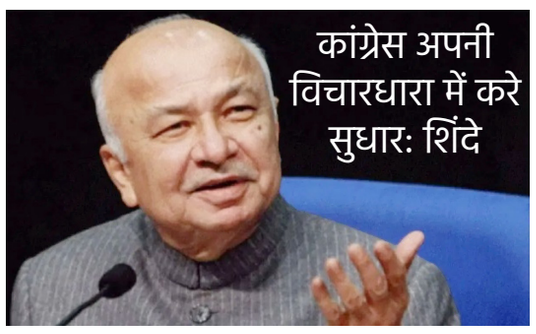

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे की आत्मकथा में स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर की तारीफ की गई है। सुशील कुमार शिंदे कांग्रेस के बड़े नेता हैं। वह यूपीए सरकार में केंद्रीय गृह मंत्री भी रह चुके हैं। इसके अलावा वह महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री भी रहे हैं। उनको कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के काफी निकट माना जाता है। वह कुछ समय तक राज्यपाल भी रह चुके हैं। वीर सावरकर को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी कई बार बीजेपी और आरएसएस को चुभने वाले बयान दे चुके हैं, ऐसे में शिंदे की आत्मकथा में सावरकर की प्रशंसा से कांग्रेस दुविधा में पड़ सकती है। आत्मकथा में सुशील कुमार शिंदे के शब्द हैं- सावरकर का मुख्य प्रयास छुआछूत और जातिवाद को समाप्त करना था। सावरकर एक वैज्ञानिक थे और सावरकर की सोच एक चुनौती है। सुशील कुमार शिंदे ने इसी के साथ कांग्रेस को अपनी विचारधारा में सुधार करने की जरूरत पर बल दिया।

कांग्रेस की प्रतिक्रिया का इंतजार

सुशील कुमार शिंदे की आत्मकथा 'फाइव डिकेड्स इन पॉलिटिक्स' हाल ही में प्रकाशित हुई है। ये आत्मकथा कांग्रेस में एक चर्चा का कारण बन गई है। कांग्रेस को कैसे आगे बढ़ना चाहिए, इस पर सुशील कुमार शिंदे ने अपनी बेबाक राय जाहिर की है। गौरतलब है कि वीर सावरकर को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का रुख जगजाहिर है। ऐसे में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की क्या प्रतिक्रिया होगी, इस पर सबकी नजर रहेगी।

सावरकर के व्यक्तित्व के कई पहलू

आत्मकथा में सुशील कुमार शिंदे ने लिखा है- मेरे मन में सावरकर के प्रति अत्यंत सम्मान है। इसलिए 1983 में मैं नागपुर में स्वतंत्रता सेनानी सावरकर की प्रतिमा के कार्यक्रम में शामिल हुआ। मैं सावरकर के समर्थन वाले मुद्दों पर अडिग रहा। सावरकर ने छुआछूत और जातिवाद को खत्म करने के लिए बहुत प्रयास किये। चूंकि मैं स्वयं पिछड़े वर्ग से हूं, इसलिए सावरकर के प्रयासों का विशेष महत्व महसूस करता हूं। सावरकर के मुद्दे पर आते हुए मुझे आश्चर्य है कि उनकी हिंदुत्व विचारधारा पर इतना जोर क्यों दिया जाता है। क्योंकि उनके व्यक्तित्व के कई पहलू हैं। उन्होंने आगे लिखा कि क्या हम सावरकर में दार्शनिक और वैज्ञानिक नहीं देख सकते? सावरकर वास्तविक सामाजिक, समानता और दलितों के उद्धार के लिए खड़े थे।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

हाइड्रोलिक अभियंता विभाग

ई-निविदा सूचना

निविदा दस्तावेज क्र.	2024_एमसीजीएम_1094621
संगठन का नाम	बृहन्मुंबई महानगरपालिका
विषय	विभिन्न स्थानों पर धातु बाड़ों की स्थापना, सुरक्षित परिधि की सुविधा और ए.ई.ओ.सी. (टी.एम) प्रभाग के तहत नामित नगरपालिका क्षेत्रों के भीतर पहुंच नियंत्रण।
ई-निविदा की लागत (अनुमानित लागत)	आइटम दर निविदा के लिए लागू नहीं
जांच शुल्क	रु.3,900/+(3,300/+18%जीएसटी)
बोली जांच जमा/ईएमडी	रु.11,000/(ऑनलाइन भुगतान किया जाना है)
निविदा जारी करने और बिक्री की तारीख	03/10/2024 को सुबह 11.00 बजे से
निविदा बिक्री की अंतिम तिथि और समय और बोली सुरक्षा जमा की रसीद	10/10/2024 को शाम 04.00 बजे तक
पकैट ए, बी, और सी जमा करना (ऑनलाइन)	10/10/2024 को शाम 04.00 बजे तक
पैकेट ए जमा करना	11/10/2024 को शाम 04.01 बजे के बाद
पैकेट बी जमा करना	11/10/2024 को शाम 04.02 बजे के बाद
पैकेट 'सी' खोलना	19/06/2023 को 03.00 बजे के बाद
संपर्क व्यक्ति और ईमेल आईडी	1.श्री पी.ए.रॉड्रिग्स एईओसी(टीएम) 9930260576 2.श्री एस.वी.सानप (एसई):- 9930260460 ae01dyhemaint.he@mcgm.gov.in
संपर्क के लिए पता	कार्यालय - एईओसी (टीएम), म्यूनिसिपल वाटर वर्क्स यार्ड, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), मुंबई - 400086.
बोली खोलने का स्थान	एईओसी (टीएम) के कार्यालय में ऑनलाइन

यह निविदा दस्तावेज हस्तांतरणीय नहीं है।
एमसीजीएम किसी भी आवेदन को स्वीकार करने या उपरोक्त विषय के लिए प्राप्त किसी भी या सभी आवेदनों को बिना कोई कारण बताए अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

हस्ता.
पीआरओ/1457/विज्ञा./2024-25 **कार्यकारी अभियंता (मुख्य कार्य) जल कार्य**

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

संपादकीय

आस्था पर राजनीति

सही मायनों में बालाजी तिरुपति लड्डू विवाद प्रसंग में शीर्ष अदालत की वह टिप्पणी देश के सभी राजनेताओं के लिये एक नजीर बननी चाहिए, जिसमें कोर्ट ने कहा कि आस्था को राजनीति से मुक्त रखना चाहिए। हाल के वर्षों में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा आस्था को वोट जुटाने के सरल रास्ते के रूप में इस्तेमाल करने से तमाम तरह की विसंगतियां पैदा हुई हैं। दरअसल, जनाधार बढ़ाने की क्षमताओं से चूकते राजनेता अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने के लिये धार्मिक विश्वासों के दोहन को सफलता का शार्टकट मानकर चल रहे हैं। पिछले दिनों में बालाजी तिरुपति से जुड़े लड्डू विवाद मामले में बिना जांच-पड़ताल के आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जिस तरह पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी को लपेटने का प्रयास किया, उसे कोर्ट ने एक अनुचित परंपरा के रूप में देखा है। कहा जा रहा है कि नायडू ने अपना जनाधार बढ़ाने हेतु विपक्षी राजनेता की छवि धूमिल करने का प्रयास इस विवाद के जरिये किया है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि नेतागण कम से कम भगवान को राजनीति से दूर रखें। खासकर संवैधानिक पदों पर विराजमान नेताओं को राजनीतिक लाभ के लिये अनर्गल बयानबाजी से बचना चाहिए। कोर्ट ने इस बात पर भी सख्त नाराजगी जाहिर की कि बिना अंतिम जांच व निष्कर्ष के सार्वजनिक रूप से लड्डू विवाद पर टिप्पणी करना न केवल गैर-जिम्मेदार रवैया था बल्कि लोगों की आस्था से खिलवाड़ भी है। वह भी तब जब इस मामले में जांच चल रही थी। वहीं दूसरी ओर अभी स्पष्ट नहीं है कि राजनीतिक लाभ के लिये जिस चर्बी वाले घी की कथित जांच-परिणामों का दावा किया जा रहा है, उसके बारे में ठीक-ठीक कहना मुश्किल है कि वास्तव में इस घी का ही प्रयोग लड्डू बनाने में किया गया था। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक सार्वजनिक सभा में आरोप लगाया था कि पिछली सरकार के दौरान तिरुपति बालाजी के प्रसाद में पशु चर्बी का इस्तेमाल किया गया। जिसके बाद इस पर राजनीतिक क्षेत्रों व सार्वजनिक जीवन में खासा विवाद पैदा हो गया। बताया जाता है कि इस विवाद के जरिये घी आपूर्ति करने वाली कंपनी तथा ठेकेदार व मंदिर प्रबंधन में पूर्व मुख्यमंत्री के परिजनों की भागीदारी को विवाद में लाने की कोशिश की गई। जिसके जरिये आंध्रप्रदेश की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी का कद छोटा करने की भी कोशिश हुई। रेड्डी ने खुलेआम नायडू पर राजनीतिक लाभ के लिये इस विवाद को तूल देने का आरोप लगाया। यहां तक कि मंदिर में प्रवेश में व्यवधान पैदा करने के मकसद से रेड्डी की धार्मिक आस्था पर भी सवाल खड़े किए गए। उनसे कहा गया कि वे निर्धारित फॉर्म में अपने धर्म का खुलासा करें। कहने को तो यह विवाद दो राजनीतिक दलों की लड़ाई का है मगर इस विवाद ने देश-विदेश में करोड़ों भक्तों की आस्था पर गहरी चोट पहुंचायी है। निस्संदेह, बालाजी तिरुपति मंदिर पर करोड़ों लोगों की गहरी आस्था है, इस विवाद को राजनीतिक लाभ का माध्यम बनाने से श्रद्धालुओं को खासा कष्ट हुआ। यह विडंबना ही है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में लोगों की धार्मिक आस्थाओं को राजनीतिक लाभ के लिये इस्तेमाल करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसमें कमोबेश सभी राजनीतिक दलों की भूमिका रही है। राजनेता अकसर विभिन्न धार्मिक स्थलों में उपस्थिति का खासा प्रचार राजनीतिक लाभ के लिये करते नजर आते हैं। वे लोगों की आस्था का लाभ अपने निहित स्वार्थों के लिये करते हैं। उन्हें लगता है कि जनाधार बढ़ाने का यह एक छोटा रास्ता है। विडंबना यह भी है कि आस्थावान लोग भी राजनेताओं की अनर्गल बयानबाजी को तर्क की कसौटी पर कस कर देखने से गुरेज करते हैं। यदि लोगों की दृष्टि तार्किक हो तो राजनेता उनकी भावनाओं से खिलवाड़ नहीं कर पाएंगे। सही मायनो में राजनेताओं की धार्मिक मामलों में इस तरह की दखलंदाजी हमारे धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के भी खिलाफ है। जिस ओर देश की शीर्ष अदालत ने भी ध्यान खींचने का प्रयास किया है। जनता की सजगता व तर्कशीलता को बढ़ावा देकर ही ऐसी चुनौतियों का मुकाबला किया जा सकता है।

सियासी फायदे के लिए अपराधियों को संरक्षण

विश्वनाथ सचदेव

गुरमीत राम रहीम कल तक बाबा राम रहीम के नाम से जाने जाते थे। आज बहुत से लोग उसे सजायाफ्ता अपराधी के रूप में ही पहचानना ज्यादा पसंद करते हैं। पर पंजाब और हरियाणा में आज भी बाबा राम रहीम को दैवीय शक्तियों वाले व्यक्तित्व के रूप में मानने वालों की संख्या कम नहीं है। और यही बात अपने कृत्यों के लिए आजीवन सज़ा भुगत रहे राम-रहीम को इन दोनों राज्यों की चुनावी राजनीति का ताकतवर मोहरा बनाये हुए है। जब तक बाबा को सज़ा नहीं मिली थी, चुनावी राजनीति के नफे-नुकसान के लिए राजनीतिक दलों के नेता खुलेआम उससे 'आशीर्वाद' प्राप्त किया करते थे। अब खुलेआम ऐसा करने से भले ही राजनेता बच रहे हों, पर बाबा के अनुयायियों की लाखों की संख्या देखते हुए वह इस 'प्रभाव' का लाभ उठाने से नहीं चूकते। शायद इसीलिए जब भी चुनाव आते हैं बीस साल की सज़ा भुगतने वाला यह बाबा राजनेताओं के लिए महत्वपूर्ण बन जाता है। हर ऐसे मौके पर बाबा किसी न किसी तरह जेल से बाहर आ जाता है। 'पैरोल' और 'फरलो' पर बाबा के छूटने की कहानी अपने आप में हैरान करने वाली है। लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले राम रहीम को पचास दिन के पैरोल पर जेल से छोड़ा गया था। फरवरी, 2022 में बाबा को 21 दिन के पैरोल पर छोड़ा गया– पंजाब में चुनाव 14 फरवरी को होने थे। बाबा को 7 फरवरी को जेल से बाहर पहुंचा दिया गया। फिर जून, 2022 में हरियाणा के स्थानीय निकायों के चुनाव थे। इससे ठीक पहले, बाबा को 30 दिन के पैरोल पर रिहाई मिल गयी। फिर 15 अक्तूबर, 2022 को आदमपुर में उपचुनाव से पहले बाबा को चालीस दिन का पैरोल मिला था। इस तरह साल 2022 में राम रहीम 91 दिन जेल से बाहर रहा। साल 2023 में हरियाणा के पंचायत चुनाव से पहले बाबा को 21 जून को चालीस दिन के पैरोल पर छोड़ा गया। नवंबर 2023 में राजस्थान में चुनाव थे। तब भी बाबा 21 दिन जेल से बाहर था। अखबारों में छपे आंकड़ों के अनुसार, 2023 में राम रहीम कुल 91 दिन तक जेल से बाहर था। अब, जबकि हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं, बाबा ने फिर पैरोल पर छूटने के लिए अर्जी दे दी, और वह मंज़ूर भी हो गयी है ! ज्ञातव्य है कि बाबा अपनी दो शिष्याओं से दुराचार और एक पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के अपराध की सज़ा भुगत रहा है। हैरानी की बात यह है कि हर चुनाव के मौके पर यह दागी जेल से बाहर होता है ! यह सही है कि अब ऐसे मौकों पर राम रहीम चुनावी सभाएं नहीं करता, पर सब जानते हैं कि हरियाणा और आसपास के राज्यों में बाबा का प्रभाव रंग दिखाने वाला है। यही रंग राजनेताओं को ऐसे अपराधियों की मदद लेने के लिए ललचाता है।

सही यह भी है कि पैरोल या फरलो पर छूटना किसी भी कैदी का अधिकार है और घोषित रूप से यह अधिकार कोई सरकार नहीं, जेल प्रशासन प्रदान करता है। लेकिन सब जानते हैं कि संबंधित राज्य सरकारों की मर्जी पर ही यह छूट मिलती है– और सब यह भी जानते हैं कि जिस पार्टी की सरकार होती है वह अपने राजनीतिक लाभ -हानि के अनुसार ऐसे मामलों का उपयोग करती है। पैरोल के इस ताज़ा मामले में, जबकि हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं, राज्य सरकार ने संबंधित अपराधी की पैरोल पर रिहाई के लिए राज्य के चुनावी अधिकारी से आग्रह किया है कि बाबा को यह छूट दी जाये। सवाल यह उठता है कि चुनावी मौके पर बाबा जैसे अपराधियों को जेल से बाहर निकलने का मौका क्यों मिलता या दिया जाता है? क्या यह मात्र संयोग है कि अक्सर ऐसी छूट चुनाव के आसपास मिलती है? पैरोल पर जेल से बाहर आना किसी भी कैदी का अधिकार है और यह छूट देने का अधिकार जेल-प्रशासन को होता है, पर इस बात को नज़रअंदाज क्यों किया जाता है कि बाबा जैसे कैदी मतदान को प्रभावित कर सकते हैं और इसका लाभ उस वक्त की सरकार को मिल सकता है? अक्सर मिलता भी है। नियम यह कहते हैं कि 'अत्यंत आवश्यक' हो तभी कोई राज्य सरकार किसी कैदी को पैरोल पर रिहाई की सिफारिश कर सकती है। अंतिम निर्णय जेल प्रशासन के हाथ में होता है। संबंधित सरकारें यही तर्क देकर अपना बचाव करती हैं, पर कौन नहीं जानता कि इस नियम और परंपरा का अक्सर उल्लंघन होता है। यह समझना ज़रूरी है कि अक्सर यह उल्लंघन वक्त की सरकारें अपने राजनीतिक स्वार्थ को देखकर करती हैं। हमारे यहां अपराध जगत से राजनीति के रिश्ते किसी से छिपे नहीं हैं। किसी अपराधी का पैरोल पर छूटना ऐसे ही रिश्तों का एक उदाहरण है। राम रहीम बीस साल की सजा भुगत रहा है और इस दौरान दस बार पैरोल पर बाहर आ चुका है। अब फिर हरियाणा के मतदान से ठीक पहले उसे पैरोल पर छूटने का मौका दे दिया गया है! क्षेत्र की जनता पर बाबा राम रहीम के 'डेरा सच्चा सौदा' का प्रभाव सब देखते रहे हैं। अपने अनुयायियों पर बाबा के प्रभाव का लाभ राजनेता अक्सर उठाते रहे हैं। ज्ञातव्य है कि शुरुआत में राम रहीम ने कांग्रेस पार्टी का साथ दिया था। फिर बाबा भारतीय जनता पार्टी के साथ हो गया। इसी साथ को रेखांकित करने के लिए हरियाणा के पिछले मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ बाबा का आशीर्वाद लेने उसके आश्रम में पहुंचे थे। तब राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे खट्टर का आभार प्रदर्शन कहा था ! सवाल यह है कि हमारे राजनेताओं को आपराधिक तत्वों के साथ जुड़ने, उनका आभार मानने में संकोच क्यों नहीं होता? बात सिर्फ एक अपराधी धार्मिक गुरु तक ही सीमित नहीं है। बात किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ उठाने की है। बिलकिस बानो के मामले में हम देख चुके हैं कि कैसे बलात्कार और हत्या के दोषियों को जेल से रिहा किया गया था और कैसे मालाएं पहना कर उन्हें महिमा-मंडित किया गया था। देश की विभिन्न जेलों में कई अपराधी राजनीतिक संरक्षण का लाभ उठा रहे हैं। सरकारें, चाहे वे किसी भी दल की क्यों न हों, अक्सर अपने राजनीतिक लाभ के लिए आपराधिक तत्वों की 'शरण' में पहुंच जाती हैं, निस्संकोच! और सज़ा भुगत रहे अपराधी भी शर्म से सर झुका कर चलने की आवश्यकता महसूस नहीं करते। अपराधियों को तो शर्म आनी ही चाहिए, उन्हें भी शर्म आनी चाहिए जो इन अपराधियों के अपराध की अनदेखी कर रहे हैं।

जीवन मंत्र

ज्ञान में संतुलन

मौलिक रूप से ज्ञान दो प्रकार के होते हैं- सांसारिक व आध्यात्मिक। सांसारिक ज्ञान भौतिक दुनिया से संबंधित है, जबकि आध्यात्मिक ज्ञान आत्मानुभूति और आंतरिक अनुभव पर आधारित होता है।

ज्ञान को स्मृति से भी जोड़कर देखा जाता है, लेकिन स्मृति दरअसल किसी अनुभूत चीज को फिर से याद करने की क्षमता है। ज्ञान वह अवस्था है, जब किसी वस्तु या विचार का बोध मन में जीवित रहता है। यह बोध भौतिक (सांसारिक) या आध्यात्मिक हो सकता है। वास्तविक ज्ञान तब होता है, जब हम किसी विषय को पूरी तरह से समझ लेते हैं और उसे कभी भी पुनर्जीवित कर सकते हैं। ज्ञान का महत्व इस बात में है कि यह हमें जीवन के विभिन्न पहलुओं को समझने, समस्याओं के समाधान ढूंढ़ने और नए अवसरों की पहचान करने में मदद करता है। स्मृति की ताकत यह है कि हम अपने मन में किसी भी जानकारी को पुनर्जीवित कर सकते हैं। आध्यात्मिक ज्ञान में मनुष्य अपने आप को परमपुरुष को समर्पित कर देता है। इस ज्ञान से व्यक्ति सर्वज्ञ बन जाता है और वह संपूर्ण ब्रह्मांड की जानकारी को अपनी स्मृति में जीवित रख सकता है। सांसारिक ज्ञान केवल भौतिक संसार की छाया है और यह वास्तविकता को पहचानने में मदद नहीं करता। सत्य की पहचान के लिए आध्यात्मिक ज्ञान आवश्यक है। जब व्यक्ति आंतरिक आध्यात्मिकता में स्थापित हो जाता है, तो वह सच्चे ज्ञान की प्राप्ति करता है। ज्ञान का वास्तविक महत्व तभी समझा जा सकता है, जब हम दोनों प्रकार के ज्ञान को संतुलित रूप में अपनाएं और अपने जीवन में आत्मसात करें।

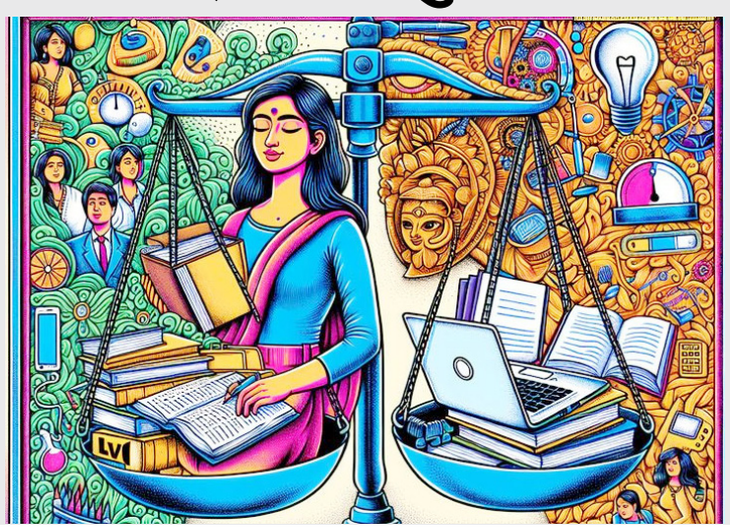

प्रस्तुति: अखिल सिंह

शख्सियत | भगत सिंह थिंड

लेखक और आध्यात्मिकता के व्याख्याता

भगत सिंह थिंड एक भारतीय अमेरिकी लेखक और आध्यात्मिकता के व्याख्याता थे, जिन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना में सेवा की और भारतीय लोगों के संयुक्त राज्य अमेरिका की नागरिकता प्राप्त करने के अधिकार पर एक सुप्रीम कोर्ट के मामले में शामिल थे।

थिंड का जन्म 3 अक्टूबर, 1892 को भारत के पंजाब राज्य के अमृतसर जिले के तारागढ़ तलावा गाँव में हुआ था। वयस्क होने पर थिंड ने खालसा कॉलेज, अमृतसर में अपनी कॉलेजिएट पढ़ाई शुरू की, जहाँ उन्होंने अपनी शैक्षणिक रुचियों को बढ़ावा देना शुरू किया। इसके बाद वे फिलीपींस चले गए जहां उन्होंने कुछ समय के लिए भाषाओं का मौखिक अनुवाद किया।[

भगत सिंह थिंड भारतीय मूल के पुरुषों के एक समूह में से थे, जिन्होंने दावा किया कि वे श्वेत थे और संघीय प्राकृतिककरण कानून के तहत प्राकृतिक रूप से नागरिकता प्राप्त करना चाहते थे। थिंड प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति से कुछ महीने पहले संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना में भर्ती हुए। युद्ध के बाद उन्होंने एक कानूनी फैसले के बाद एक प्राकृतिक नागरिक बनने की मांग की, जिसमें कहा गया था कि कोकेशियान को ऐसे अधिकारों तक पहुंच थी। खुद को आर्यन के रूप में पहचानते हुए, 1923 में, सुप्रीम कोर्ट ने संयुक्त राज्य अमेरिका बनाम भगत सिंह थिंड मामले में उनके खिलाफ फैसला सुनाया, जिसने सभी भारतीय अमेरिकियों को श्वेत व्यक्ति, अफ्रीकी मूल के व्यक्ति या अफ्रीकी मूल के विदेशी की परिभाषा को पूरा करने में विफल रहने के कारण संयुक्त राज्य की नागरिकता प्राप्त करने के अधिकार से वंचित कर दिया।

थिंड संयुक्त राज्य अमेरिका में ही रहे, उन्होंने यूसी बर्कले में धर्मशास्त्र और अंग्रेजी साहित्य में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की, और तत्वमीमांसा पर व्याख्यान दिए। उनके व्याख्यान सिख धार्मिक दर्शन पर आधारित थे, लेकिन इसमें अन्य विश्व धर्मों के ग्रंथों और राल्फ वाल्डो इमर्सन, वॉल्ट व्हिटमैन और हेनरी डेविड थोरो के कार्यों के संदर्भ शामिल थे। 1936 में, थिंड ने न्यूयॉर्क राज्य के माध्यम से अमेरिकी नागरिकता के लिए सफलतापूर्वक आवेदन किया, जिसने प्रथम विश्व युद्ध के दिग्गजों को नस्ल की परवाह किए बिना प्राकृतिककरण के लिए पात्र बना दिया था। 15 सितम्बर 1967 को जब थिंड की मृत्यु हुई तब भी वे एक पुस्तक लिख रहे थे।

जीवन ऊर्जा

अल शार्प्टन : जन्म-3 अक्टूबर 1954

जन्म

विकास संघर्ष से आता है, आराम से नहीं

अल शार्प्टन एक अमेरिकी नागरिक अधिकार कार्यकर्ता, बैपटिस्ट मंत्री और राजनीतिक टिप्पणीकार हैं। उनका जन्म 3 अक्टूबर 1954 को हुआ था। वह नस्लीय अन्याय के खिलाफ़ वकालत करने के लिए जाने जाते रहें। उन्होंने नेशनल एक्शन नेटवर्क की स्थापना की और पूरे संयुक्त राज्य अमेरिका में समानता और सामाजिक सुधार के आंदोलनों में एक प्रमुख आवाज़ रहे हैं।

आप बाहरी ताकतों को दोष दे सकते हैं, लेकिन सफलता या असफलता अंततः आपके हाथ में है। हमें उन क्षणों से नहीं आंका जाता जब चीजें आसान होती हैं, बल्कि उन क्षणों से आंका जाता है जब हमारी परीक्षा होती है। यह परिस्थितियां नहीं हैं जो आपको परिभाषित करती हैं, बल्कि यह है कि आप उनका कैसे जवाब देते हैं। जीवन केवल जीविकोपार्जन नहीं, बल्कि बदलाव लाने के बारे में है। आपको किसी चीज़ के लिए खड़ा होना होगा, अन्यथा आप किसी भी चीज़ के लिए गिर जाएंगे। चाहे आप कितना भी हासिल कर लें, हमेशा और भी बहुत कुछ करना बाकी रहता है। विपत्ति पर विजय पाने के लिए, आपको सबसे पहले खुद पर विश्वास करना चाहिए। आपका अतीत आपके भविष्य को परिभाषित नहीं करता

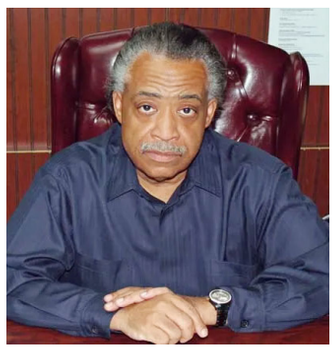

है जब तक कि आप उसे ऐसा करने की अनुमति न दें। सच्चा नेतृत्व दूसरों की सेवा करने के बारे में है, सेवा पाने के बारे में नहीं। परिवर्तन रातोंरात नहीं होता है, लेकिन यह तब होता है जब हम दृढ़ रहते हैं। सफलता केवल अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के बारे में नहीं है; यह दूसरों को ऊपर उठाने के बारे में है। यदि आपके पास कोई उद्देश्य नहीं है, तो आप आसानी से दूसरों के बहकावे में आ जाएंगे। कहीं भी अन्याय हर जगह न्याय के लिए खतरा है। आप उस चीज़ को नहीं बदल सकते जिसका सामना करने के लिए आप तैयार नहीं हैं। किसी व्यक्ति का मापदंड यह नहीं है कि वह दौड़ कैसे शुरू करता है, बल्कि यह है कि वह कैसे समाप्त करता है। जो सही है उसके लिए खड़े हो जाओ, भले ही तुम अकेले खड़े हो। समानता की ओर यात्रा कभी खत्म नहीं होती है, और इसके लिए हमें आगे बढ़ते रहना होगा। विकास संघर्ष से आता है, आराम से नहीं। असफलताओं को अपने रास्ते में न आने दें; उन्हें और अधिक प्रयास करने के लिए अपनी प्रेरणा बनने दें। अपना जीवन वाहवाही के लिए नहीं, बल्कि किसी उद्देश्य के लिए जियो।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ की महिमा

(भाग 3)

भीष्म पितामह ने श्रीकृष्ण की बहुत सुन्दर स्तुति की; जिससे उन्हें अपने चारों ओरभीतर नारायण, बाहर नारायण, दायें नारायण, बायें नारायण, ऊपर नारायण, नीचे नारायण दिखाई दे रहे थे । नारायण के सिवाय उन्हें और कुछ नहीं दिख रहा था । अतिशय भक्ति में भक्त और भगवान एक हो जाते हैं । उनके हृदय में भूत, भविष्य और वर्तमान का समस्त ज्ञान प्रकट हो गया । उन्होंने बड़े उत्साह से युधिष्ठिर को धर्म के समस्त अंगों का उपदेश किया । सर्वत्र नारायण का दर्शन करते हुए सैंकड़ों ऋषि-मुनियों के बीच शरशय्या पर पड़े भीष्म पितामह उत्तरायण में भगवान में लीन हो गए और उन्होंने वैष्णव सालोक्य मुक्ति प्राप्त की । ऐसी सद्गति किसी को नहीं मिली ।

विष्णु सहस्त्रनाम के नित्य पाठ की महिमा

विष्णु सहस्त्रनाम के नित्य पाठ करने की महिमा के बारे में कहा गया है कि यह 'मेटत कठिन कुअंक भाल के ।' प्रभु के नाम में ऐसी शक्ति है कि विधाता ने यदि किसी के भाग्य में यह लिखा है कि कुछ समय बाद उसको बहुत बीमारी आएगी; किन्तु ऐसा व्यक्ति अगर विष्णु सहस्त्रनाम के बारह हजार पाठ उचित रीति से करता है तो उसकी जन्म-कुण्डली का वह स्थान शुद्ध हो जाता है । उसे महारोग नहीं होता है । जो रोग उसे छह मास भोगना था, वह सब एकाध दिन में भोग कर उसके प्रारब्ध का विनाश हो जाएगा । इसीलिए सभी वैष्णवों को प्रातःकाल भोजन से पहले या रात्रि में सोने से पहले विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ अवश्य करना चाहिए । जीवन में सुख-दुःख का कैसा भी प्रसंग आ जाए, मनुष्य को अपने इस नियम को नहीं छोड़ना चाहिए । विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने वाला मनुष्य कभी पराभव, दुर्गति को प्राप्त नहीं होता है क्योंकि

लाभस्तेषां जयस्तेषां कुतस्तेषां पराजयः ।
येषामिन्दीवरश्यामो हृदयस्थो जनार्दनः

अर्थात्-जिसके हृदय में भगवान विष्णु का ध्यान और मुख में उनके नाम विराजमान हैं, उन्हीं को लाभ होता है, उन्हीं की विजय होती है; उनकी पराजय कैसे हो सकती है ? जो मनुष्य विष्णु सहस्त्रनाम का नित्य पाठ करता है या सुनता है, उसके साथ इस लोक या परलोक में कहीं पर भी कुछ अशुभ नहीं होता है । वह समस्त संकटों से पार हो जाता है । रोगातुर मनुष्य रोग से छूट जाता है, बन्धन में पड़ा हुआ पुरुष बन्धन से छूट जाता है, भयभीत का भय दूर हो जाता है, आपत्ति में पड़ा हुआ मनुष्य आपत्ति से छूट जाता है । मनुष्य को जन्ममृत्यु, जरा, व्याधि का भय नहीं रहता है । मनुष्य आरोग्यवान, कान्तिमान, बलवान, रूपवान और सर्वगुणसंपन्न हो जाता है । विष्णु सहस्त्रनाम का नित्य शुद्ध मन से पाठ करने वाले व्यक्ति के क्रोध, लोभ, ईर्ष्या आदि दुर्गुण नष्ट हो जाते हैं तथा वह लक्ष्मी, कीर्ति, क्षमा, धैर्य, स्मृति और कीर्ति आदि सद्गुणों को प्राप्त करता है । मनुष्य जिस वस्तुधर्म, अर्थ सुख या मोक्ष जिसकी भी इच्छा करता हैउसे प्राप्त कर लेता है । जो मनुष्य सूर्योदय के समय इसका पाठ करता है, उसके बल, आयु और लक्ष्मी प्रतिदिन बढ़ते जाते हैं । विष्णु सहस्त्रनाम के एक-एक नाम का उच्चारण करते हुए जो मनुष्य भगवान को तुलसी दल अर्पण करता है, उसे करोड़ों यज्ञों के अनुष्ठान की तुलना में अधिक फल प्राप्त होता है । भगवान विष्णु ही अनेक रूप धारण करके त्रिलोकी में व्याप्त होकर सबको भोग रहे हैंइसलिए जो मनुष्य श्रेय और सुख पाना चाहता है उसको उनके नामों का नित्य जपपाठ अवश्य करना चाहिए । विष्णु सहस्त्रनाम का नित्य पाठ भगवान में भक्ति को बढ़ाने वाला है । विष्णुलोक तक पहुंचने के लिए यह अद्वितीय सीढ़ी है ।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा

वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक। मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

चिड़ियाघर का ऊंट

एक ऊंटनी और उसका बच्चा एक पेड़ के नीचे आराम कर रहे थे. बच्चे ने पूछा, "माँ, हम ऊँटों का ये कूबड़ क्यों निकला रहता है?" "बेटा हम लोग रेगिस्तान के जानवर हैं, ऐसी जगहों पर खाना-पानी कम होता है, इसलिए भगवान् ने हमें अधिक से अधिक फैट स्टोर करने के लिए ये कूबड़ दिया हैजब भी हमें खाना या पानी नहीं मिलता हम इसमें मौजूद फैट का इस्तेमाल कर खुद को जिंदा रख सकते हैं." ऊंटनी ने उत्तर दिया. बच्चा कुछ देर सोचता रहा फिर बोला, " अच्छा, हमारे पैर लम्बे और पंजे गोल क्यों हैं?" "बेटा हम लोग रेगिस्तान के जानवर हैं, ऐसी जगहों पर खाना-पानी कम होता है, इसलिए भगवान् ने हमें अधिक से अधिक फैट स्टोर करने के लिए ये कूबड़ दिया हैजब भी हमें खाना या पानी नहीं मिलता हम इसमें मौजूद फैट का इस्तेमाल कर खुद को जिंदा रख सकते हैं." ऊंटनी ने उत्तर दिया. बच्चा कुछ देर सोचता रहा फिर बोला, " अच्छा, हमारे पैर लम्बे और पंजे गोल क्यों हैं?"

सुविचार

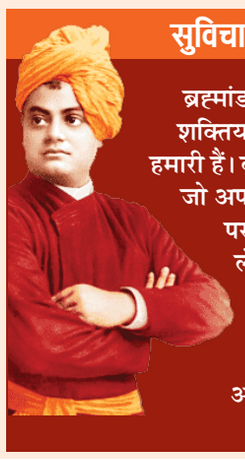

ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं। वो हमी हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

खेती का मास्टर

फार्म मैनेजर बनने का सफर

पू कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, और कृषि फार्म मैनेजर की भूमिका खेत की उत्पादकता के मैनेजिंग और सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। एक कृषि फार्म मैनेजर खेतों के दिन-प्रतिदिन के संचालन की योजना बनाने, व्यवस्थित करने और मैनेजिंग करने के लिए जिम्मेदार होता है। खाद्य उत्पादन, टिकाऊ खेती के तरीकों और संसाधनों के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए यह करियर महत्वपूर्ण है। इस लेख में, हम भारत में कृषि फार्म मैनेजर के लिए भूमिकाओं, जिम्मेदारियों, आवश्यक कौशल और उपलब्ध अवसरों का पता लगाएंगे।

कृषि फार्म मैनेजर क्या करता है?

कृषि फार्म मैनेजर खेत की गतिविधियों की देखरेख के लिए जिम्मेदार होता है। इसमें शामिल हैं:

फसल उत्पादन : यह सुनिश्चित करना कि फसलें सही समय पर लगाई जाएं, उगाई जाएं और काटी जाएं।

पशुधन मैनेजिंग : पशुओं की देखभाल करना, यह सुनिश्चित करना कि वे स्वस्थ हैं और उनके प्रजनन का मैनेजिंग करना।

मृदा मैनेजिंग : फसलों को घुमाकर, उर्वरक डालकर मिट्टी को स्वस्थ रखना और यह सुनिश्चित करना कि इसका अत्यधिक उपयोग न हो।

मशीनरी और उपकरण : कृषि उपकरणों का रखरखाव करना और यह सुनिश्चित करना कि उनका सही तरीके से उपयोग किया जाए।

कर्मचारी मैनेजिंग : खेत के कर्मचारियों की देखरेख करना, कार्य सौंपना और यह सुनिश्चित करना कि सभी उचित प्रक्रियाओं का पालन करें।

वित्तीय मैनेजिंग : खेत के बजट को संभालना, खर्चों पर नज़र रखना और लाभ को अधिकतम करना।

शिक्षा और योग्यता

कृषि फार्म मैनेजर बनने के लिए, सही शिक्षा प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। भारत में, कई विश्वविद्यालय और संस्थान कृषि और संबंधित क्षेत्रों में पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। कुछ सामान्य डिग्री और डिप्लोमा हैं:

कृषि में स्नातक (बी.एससी. एग्री.) : यह 4-वर्षीय डिग्री खेती के तरीकों, मृदा विज्ञान, फसल मैनेजिंग और बहुत कुछ के बारे में बुनियादी ज्ञान प्रदान करती है।

कृषि में डिप्लोमा : उन लोगों के लिए 2 साल का कोर्स जो जल्दी से इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं।

कृषि में परास्नातक (एम.एससी. एग्री.) : उन लोगों के लिए एक उच्च डिग्री जो कृषि विज्ञान, बागवानी या कृषि अर्थशास्त्र जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करना चाहते हैं। औपचारिक शिक्षा के अलावा, इंटर्नशिप, खेत के दौरे या अप्रेंटिसशिप के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करना सहायक होता है।

कृषि फार्म मैनेजर के लिए आवश्यक कौशल

इस कैरियर में सफलता कौशल के संयोजन पर निर्भर करती है, जिसमें शामिल हैं:

तकनीकी ज्ञान : खेती की तकनीक, फसल चक्र, कीट मैनेजिंग और सिंचाई प्रणालियों की समझ।

समस्या-समाधान : खेतों को अक्सर खराब मौसम या कीटों के हमलों जैसी अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, इसलिए त्वरित सोच महत्वपूर्ण है।

नेतृत्वः खेत मजदूरों की एक टीम का मैनेजिंग करने के लिए मजबूत नेतृत्व और कार्यों को सौंपने की क्षमता की आवश्यकता होती है।

वित्तीय कौशलः खेत के बजट का मैनेजिंग, आपूर्ति खरीदना और उपज बेचना अच्छे वित्तीय कौशल की आवश्यकता है।

अनुकूलनशीलताः नई खेती के तरीकों, प्रौद्योगिकी और बाजार की मांगों को समायोजित करने की क्षमता एक सफल खेत मैनेजर के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत में अवसर और गुंजाइश

भारत में कृषि क्षेत्र बहुत बड़ा है और कुशल कृषि फार्म प्रबंधकों की मांग बढ़ रही है। इसमें कई अवसर हैं:

निजी खेत : बड़े निजी खेतों को अक्सर दक्षता और लाभ बढ़ाने के लिए पेशेवर मैनेजिंग की आवश्यकता होती है।

कॉर्पोरेट खेत : कई कंपनियां कृषि में निवेश कर रही हैं और उन्हें अपने संचालन की देखरेख के लिए प्रबंधकों की आवश्यकता है।

सरकारी नौकरियां : सरकार अनुसंधान खेतों, बीज उत्पादन और कृषि विकास कार्यक्रमों के लिए खेत प्रबंधकों को नियुक्त करती है।

परामर्श : अनुभवी खेत मैनेजर छोटे किसानों को परामर्श सेवाएं दे सकते हैं, जिससे उन्हें अपनी उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है।

इसके अतिरिक्त, जैविक खेती, निर्यात-उन्मुख खेती और कृषि व्यवसाय भारत में कृषि फार्म प्रबंधकों के लिए नए अवसर प्रदान करने वाले उभरते क्षेत्र हैं।

करियर में चुनौतियां

कृषि फार्म मैनेजर बनना अपनी चुनौतियों के साथ आता है। कुछ मुख्य कठिनाइयां इस प्रकार हैं :

मौसम पर निर्भरता : भारतीय खेत काफी हद तक मानसून पर निर्भर हैं। सूखे या बाढ़ से फसल की पैदावार पर काफी असर पड़ सकता है।

बाजार में उतार-चढ़ाव : कृषि उत्पादों की कीमतों में उतार-चढ़ाव हो सकता है, जिससे कृषि लाभ प्रभावित हो सकता है।

श्रमिकों की कमी : कुशल श्रमिकों को ढूंढना कभी-कभी मुश्किल हो सकता है, खासकर पीक सीजन के दौरान।

कीट और रोग मैनेजिंग : फसलों और पशुओं को कीटों और रोगों से मुक्त रखना एक निरंतर चुनौती है।

वेतन और करियर ग्रोथ

भारत में कृषि फार्म मैनेजर का वेतन खेत के आकार, स्थान और अनुभव के आधार पर अलग-अलग होता है। औसतन, एक एंट्री-लेवल फार्म मैनेजर प्रति वर्ष 3 से 5 लाख रुपये के बीच कमाने की उम्मीद कर सकता है। अनुभव के साथ, वेतन में काफी वृद्धि हो सकती है। बड़े कॉरपोरेट फार्म या सरकारी पदों पर अनुभवी फार्म मैनेजर प्रति वर्ष 10 लाख रुपये से अधिक कमा सकते हैं।

इस क्षेत्र में करियर ग्रोथ आशाजनक है। अनुभव के साथ, कोई व्यक्ति कृषि सलाहकार, फार्म मालिक या कृषि व्यवसाय मैनेजर जैसी भूमिकाओं में जा सकता है। इसके अतिरिक्त, उन्नत डिग्री वाले मैनेजर अनुसंधान और शैक्षणिक पदों पर काम कर सकते हैं।

● **नीलम रामअवध**

एम्स नागपुर में सीनियर रेजिडेंट के पदों पर निकली भर्ती

एज लिमिट 45 साल, सैलरी 67 हजार से ज्यादा

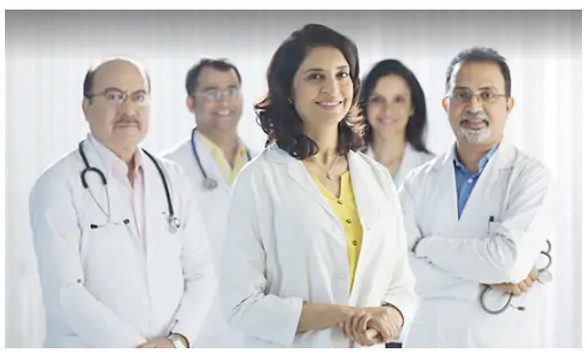

ऑ ल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की ओर से सीनियर रेजिडेंट के पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट aiimsnagpur.edu.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए 9 अक्टूबर को इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

संबंधित विषय में मेडिकल की पीजी डिग्री।

आयु सीमा

अधिकतम 45 साल।

सैलरी

लेवल - 11 के अनुसार 67,700 रुपए प्रतिमाह।

फीस

जनरल/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी/एसटी : 250 रुपए
पीडब्ल्यूडी : निःशुल्क

AIIMS में भर्ती

पद: **सीनियर रेजिडेंट**

नंबर ऑफ पोस्ट : 73

आवेदन शुरू: **28 सितंबर 2024**
लास्ट डेट: **8 अक्टूबर 2024**

फीस: **250 रुपए**

सिलेक्शन प्रोसेस

इंटरव्यू के बेसिस पर।

इंटरव्यू का पता : एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, एम्स कैंपस, मिहान नागपुर - 441108

ऐसे करें आवेदन

ऑफिशियल वेबसाइट aiimsnagpur.edu.in पर जाएं। आवेदन करें विकल्प पर क्लिक करें। आपके सामने एक फॉर्म खुलेगा। इसमें जरूरी डॉक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें। फीस जमा करके सब्मिट पर क्लिक करें। फॉर्म सब्मिट हो जाएगा। इसका प्रिंट निकालकर रखें।

RRB रेलवे में 14298 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन शुरू

92 हजार से ज्यादा मिलेगी सैलरी

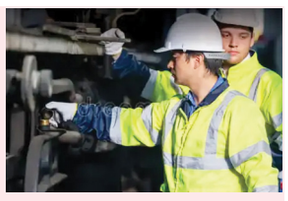

आ रआरबी ने रेलवे भर्ती बोर्ड टेक्नीशियन भर्ती के लिए फिर से आवेदन प्रक्रिया शुरू करने का नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार RRB की ऑफिशियल वेबसाइट rrbcdg.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन किया है, उन्हें दोबारा रजिस्ट्रेशन नहीं करना होगा। पहले इस भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया 9 मार्च 2024 से शुरू होकर 8 अप्रैल 2024 तक चली थी और 9144 पदों के लिए आवेदन मांगे गए थे। बाद में भर्ती बोर्ड ने पदों की संख्या में 5154 की बढ़ोतरी की थी। अब कुल 14298 पदों पर भर्तियां की जाएंगी।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : टेक्नीशियन ग्रेड 1 : बीई, बीटेक या बीएससी इंजीनियरिंग की डिग्री।

टेक्नीशियन ग्रेड 3 : 10वीं पास और ITI सर्टिफिकेट प्राप्त उम्मीदवार।

आयु सीमा : 18 - 36 साल
ये उम्र 1 जुलाई, 2024 से जोड़ी जाएगी।
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

फीस : कैंडिडेट्स को 500 रुपए फीस देना होगी।
इसमें से 400 रुपए सीबीटी टेस्ट के बाद वापस कर दिए जाएंगे।
आरक्षित श्रेणी के कैंडिडेट्स को 250 रुपए फीस देना होगी।
यह फीस सीबीटी टेस्ट में बैठने के बाद वापस कर दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी एग्जाम
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

सैलरी : पद के अनुसार 19,900-92,300 रुपए प्रतिमाह।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाएं।
पेज पर Recruitment सेक्शन में जाएं।
जोन के आगे दिए लिंक पर जाकर आवेदन करें।
आवेदन करने से पहले रजिस्ट्रेशन करें।
रजिस्ट्रेशन के बाद एप्लिकेशन फॉर्म भर दें।
आवेदन प्रक्रिया फीस जमा करने के बाद पूरी होगी।

उत्तराखंड में ड्राफ्ट्समैन सहित 194 पदों पर निकली भर्ती

एज लिमिट 42 साल, सैलरी 1 लाख से ज्यादा

उ त्तराखंड में ड्राफ्ट्समैन, टेक्नीशियन, प्लम्बर सहित विभिन्न पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट sssc.uk.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स

ड्राफ्ट्समैन : 140 पद
टेक्नीशियन ग्रेड 2 इलेक्ट्रिकल : 21 पद
टेक्नीशियन ग्रेड 2 मैकेनिकल : 9 पद
ट्यूबवेल मिस्त्री : 16 पद
प्लम्बर : 1 पद
मेंटेनेंस असिस्टेंट : 1 पद
इलेक्ट्रीशियन : 1 पद
इंस्ट्रूमेंट मैकेनिकल : 3 पद
ट्रेसर : 1 पद
केन क्राफ्ट इंस्ट्रक्टर : 1 पद
कुल पदों की संख्या : 194
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : पद के अनुसार 10वीं/ 12वीं/ आईटीआई/ डिप्लोमा पास।

आयु सीमा

न्यूनतम : 18/ 21 वर्ष
अधिकतम : 42 वर्ष

UKSSSC भर्ती

पद: ड्राफ्ट्समैन सहित अन्य

नंबर ऑफ पोस्ट : 194

आवेदन शुरू: **28 सितंबर 2024**
लास्ट डेट: **18 अक्टूबर 2024**

फीस: **300 रुपए**

आयु की गिनती 1 जुलाई 2024 को ध्यान में रखकर की जाएगी।

फीस

जनरल, ओबीसी : 300 रुपए
एससी, एसटी, ईडब्ल्यूएस : 150 रु.

सिलेक्शन प्रोसेस

रिटन एग्जाम
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

सैलरी

19,900- 1,12,400 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन

ऑफिशियल वेबसाइट sssc.uk.gov.in पर जाएं।
होम पेज पर पदनाम-प्रारूपकार/ टेक्नीशियन ग्रेड-2(विद्युत/ यांत्रिक)/नलकूप मिस्त्री व अन्य पदों के ऑनलाइन आवेदन (Online Application) लिंक पर क्लिक करें।
रजिस्ट्रेशन करके पर्सनल डिटेल्स दर्ज करें।
फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।
फीस भरकर फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष किसी भी निर्णय को लेने में विवेक का प्रयोग करें। परिवार के साथ जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्ययवृद्धि होगी। विवाद को बढ़ावा न दें। दुष्टजनों से सावधान रहें।

वृष स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं। बड़ा लाभ हो सकता है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शत्रुओं से सावधान रहें।

मिथुन रुका हुआ पैसा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। आशंका-कुशंका रहेगी।

कर्क कोर्ट व कचहरी के काम से छुटकारा मिल सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

सिंह मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग कर पाएंगे। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। वरिष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन लाभ में वृद्धि करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी।

कन्या उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। आत्मसम्मान बना रहेगा। कोई बड़ा काम तथा बाहर जाने का मन बनेगा। व्यवसाय मनोनुकूल लाभदायक रहेगा।

तुला भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

वृश्चिक कोई बड़ी परेशानी आ सकती है। भागदौड़ अधिक होगी। शोक समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

धनु विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त हो सकता है। निवेश में जल्दबाजी न करें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आलस्य हावी रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि हो सकती है। भ्रम की स्थिति बन सकती है। किसी व्यक्ति के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है। विवाद की स्थिति नहीं बनने दें। अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

कुंभ व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पार्टनरों से सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। पूजा-पाठ में मन लगेगा। माता की सेवा करने का अवसर प्राप्त होगा।

मीन आर्थिक उन्नति के लिए नई नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं, प्रयास करते रहें। आय में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

खोई वस्तु के विषय में हासिल करें जानकारी

भाग -1

जि स दिन चोरी हुई है या जिस दिन वस्तु गुम हुई है उस दिन के नक्षत्र के आधार पर खोई वस्तु के विषय में जानकारी हासिल की जा सकती है कि वह कहाँ छिपाई गई है। नक्षत्र आधार पर वस्तु की जानकारी प्राप्त होती है।

- यदि प्रश्न के समय चन्द्रमा अश्विनी नक्षत्र में है तो खोई वस्तु शहर के भीतर है।
- प्रश्न के समय चन्द्रमा भरणी नक्षत्र में है तो खोई वस्तु गली में है।
- प्रश्न के समय चन्द्रमा कृतिका नक्षत्र में है तो खोई वस्तु जंगल में होती है।
- प्रश्न के समय चन्द्रमा रोहिणी नक्षत्र में है तो खोई वस्तु ऐसे स्थान पर है जहाँ नमक या नमकीन वस्तुओं का भण्डार हो।
- प्रश्न के समय चन्द्रमा मृगशिरा नक्षत्र में हो तो खोई वस्तु चारपाई, पलँग अथवा सोने के स्थान के नीचे रखी होती है।
- प्रश्न के समय चन्द्रमा आर्द्रा नक्षत्र में स्थित है तो खोई वस्तु मंदिर में होती है।
- प्रश्न के समय चन्द्रमा पुनर्वसु नक्षत्र में है तो खोई वस्तु अनाज रखने के स्थान पर रखी गई है।
- प्रश्न के समय चन्द्रमा पुष्य नक्षत्र में है तो खोई वस्तु घर में ही है।
- प्रश्न के समय चन्द्रमा आश्लेषा नक्षत्र में है तो खोई वस्तु धूल के ढेर में अथवा मिट्टी के ढेर में छिपाई गई है।
- प्रश्न के समय चन्द्रमा मघा नक्षत्र में है तो खोई वस्तु चावल रखने के स्थान पर होती है।
- प्रश्न के समय चन्द्रमा पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में हो तो खोई वस्तु शून्य घर में होती है।
- प्रश्न कुण्डली में चन्द्रमा उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में हो तो खोई वस्तु जलाशय में होती है।
- प्रश्न कुण्डली में चन्द्रमा हस्त नक्षत्र में हो तो खोई वस्तु तालाब अथवा पानी की जगह पर होती है।
- प्रश्न कुण्डली में चन्द्रमा चित्रा नक्षत्र में हो तो खोई वस्तु रुई के खेत में अथवा रुई के ढेर में

चोरी गई वस्तु का पता भी बताता है ज्योतिष

चोरी गई वस्तु मिलेगी या नहीं मिलेगी। मिलेगी तो कब तक मिलेगी इस बात तक का पता ज्योतिष शास्त्र के जरिए लगाया जा सकता है। आजकल जिस तरह से आर्थिक असमानता बढ़ती जा रही है। चोरी का भय भी बढ़ता जा रहा है। लोग अपना घर सूना छोड़ने में डरने लगे हैं। किस पर विश्वास करें, किस पर न करें यह बड़ा विचारणीय प्रश्न बन गया है। कई बार लोगों को बड़ा नुकसान हो जाता है, जब उनके घर, व्यापारिक प्रतिष्ठान या यात्रा आदि के दौरान सामान चोरी हो जाता है।

प्रियंका जैन
9769994439

दो बजे दोपहर

उत्तर भारत/बिजनेस

खबर संक्षेप

खिड़की से लटकता मिला युवक का शव

आजमगढ़। आजमगढ़ के बरदह थाना क्षेत्र के उदियावा गांव में बुधवार की सुबह खिड़की से लटकता हुआ एक युवक का शव मिला। मौके पर बरदह थाना व देवगांव कोतवाली पुलिस के साथ ही फोरेंसिक टीम भी पहुंची। जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाहा तो परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। एसपी सिटी शैलेंद्र लाल ने परिजनों को न्याय दिलाने का आश्वासन देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।बरदह थाना क्षेत्र के उदियावा गांव निवासी रत्नेश तिवारी उर्फ मोनू (35) ट्रक चलाने का काम करता था। मंगलवार की रात वह घर में सोया था। इसके बाद वह बुधवार की सुबह चार से पांच बजे के बीच उठा और बाइक लेकर निकल गया। सुबह करीब 8.30 बजे जब इंग्लिश मीडिया प्राथमिक विद्यालय उदियावां के शिक्षक व बच्चे विद्यालय के गेट का ताला खोला तो विद्यालय की खिड़की पर एक शव लटकता हुआ मिला। शव देख बच्चे और टीचर शोर मचाने लगे। तभी आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों को भी इसकी जानकारी हुई तो वह पहुंचे।

बाढ़ राहत सामग्री गिराते समय हेलीकॉप्टर क्रैश

मुजफ्फरपुर। बिहार के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत कार्यों की जिम्मेदारी अब सेना के हेलीकॉप्टरों ने संभाल ली है। यह कार्य पिछले तीन दिनों से जारी है और सीतामढ़ी से शुरू होकर अन्य जिलों में फैल गया है। लेकिन बुधवार को मुजफ्फरपुर में एक वायुसेना का हेलीकॉप्टर राहत सामग्री गिराते समय अचानक बाढ़ के पानी में गिर गया। हेलीकॉप्टर के पायलट और अन्य जवान घायल हो गए हैं। घायल जवानों को गोरखपुर रेफर इय गया है। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य में सक्रियता दिखाई और बचाव दल के सदस्यों को जल में से बाहर निकालने में मदद की।

निरसा गांजा तस्करी मामला

धनबाद। निरसा गांजा तस्करी मामले की सुनवाई मंगलवार को प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश राम शर्मा की अदालत में हुई। अभियोजन की ओर से लोक अभियोजक अवधेश कुमार ने धनबाद के तत्कालीन वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल की गवाही करायी। एसएसपी ने अदालत को बताया कि नीरज तिवारी पूर्व से धनबाद पुलिस के लिए गुप्तचर के रूप में काम करता था। अगस्त 2019 के उसने सूचना दी की जीटी रोड के रास्ते बंगाल से गांजा की तस्करी की जाती है। कुछ दिनों के बाद वह राजीव राय को लेकर आया। बताया कि यही व्यक्ति गांजा की गाड़ी पकड़वाने में सहयोग करेगा। 23 अगस्त नीरज ने बताया था कि आज रात में गांजा की गाड़ी जाने की सूचना है। इस बात पर एसएसपी ने उसे थाना प्रभारी निरसा के संपर्क में रहने को कहा और थाना प्रभारी निरसा को भी नीरज के संपर्क में रहकर विधि सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

परिवर्तन महासभा में पीएम मोदी ने भरी हुंकार

एजेंसी । हजारीबाग

पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गांधी जयंती पर हजारीबाग के मटवारी मैदान से हुंकार भरी। बीजेपी की परिवर्तन महासभा में उन्होंने कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और राजद (राष्ट्रीय जनता दल) पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तीनों दलों का गठजोड़ झारखंड के विकास में बाधक है। जब यहां से हेमंत सोरेन सरकार हटेगी, तभी झारखंड में बदलाव आएगा। विदाई की बेला में राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार की स्पीड बढ़ा दी है।

कांग्रेस-JMM-RJD को झारखंड के विकास में बताया बाधक

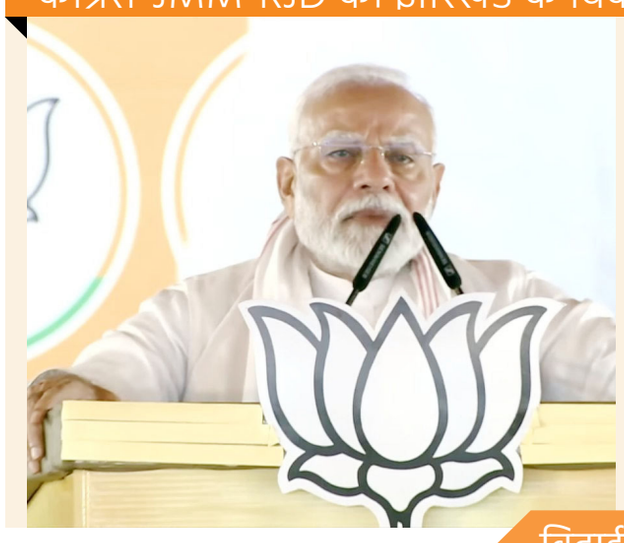

कांग्रेस, झामुमो और राजद झारखंड के विकास में बाधक

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार झारखंड के विकास के लिए एक ओर दिन-रात मेहनत कर रही है, वहीं दूसरी ओर झारखंड सरकार झारखंड के विकास को पटरी से उतारने में लगी है। आज झारखंड का बच्चा-बच्चा जान चुका है कि झारखंड के विकास में सबसे बड़ी बाधा कांग्रेस-JMM और RJD का गठजोड़ है। झारखंड तभी आगे जाएगा, जब ये सरकार हटेगी। झारखंड तभी आगे जाएगा, जब यहां परिवर्तन होगा।

झारखंड को राजद ने बनाया था लूट का ठिकाना

प्रधानमंत्री ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि RJD के लोगों ने झारखंड को अपनी लूट का ठिकाना बना रखा था। जल-जंगल-जमीन की खुलेआम लूट होती थी। इस इलाके को इन्होंने अपराधियों-माफियाओं का सेफ हाउस बना रखा था और RJD वालों को दिल्ली से कौन शह दे रहा था? वह पार्टी कोई और नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी थी।

विदाई की बेला में राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार की बढ़ा दी स्पीड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं में भी प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार करने से पीछे नहीं हट रही है। ये गरीब के राशन का पैसा डकार रहे हैं। जल जीवन मिशन में भी भ्रष्टाचार कर रहे हैं। यहां कांग्रेस के नेताओं के ठिकाने से सैकड़ों करोड़ बरामद होते हैं। यहां नेताओं के नौकरों के घरों से भी करोड़ों रुपए पकड़े जाते हैं। उन्होंने सुना है कि अब जब इनकी विदाई होने को है तो इन्होंने भ्रष्टाचार की स्पीड और स्केल दोनों बढ़ा दिए हैं।

शर्मनाक करतूत: एक और पेशाब कांड

दबंगों ने युवक को लात-घूसों से बेरहमी से पीटा

- सिर और चेहरे पर पेशाब कर बनाया वीडियो

एजेंसी । सोनभद्र

सोनभद्र जिले में एक और पेशाब कांड सामने आया है। दबंगों ने मामूली विवाद में एक युवक की पहले जमकर पिटाई की। फिर उसके ऊपर पेशाब करते हुए वीडियो भी बनाया। पांच दिन पुरानी घटना का वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। एक नामजद आरोपी को हिरासत में लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। एएसपी ने मामले में कठोर कार्रवाई किए जाने को कहा है।

यह है मामला

घटना 26 सितंबर की है। शक्तिनगर के बैरियर गेट नंबर एक के पास एक युवक का कुछ लोगों से विवाद हो गया। इसके बाद मनबढ़ों ने युवक को लात-घूंसों से जमकर पिटा। युवक के लहूलुहान होने के बाद अपशब्द का प्रयोग करते हुए उसके ऊपर पेशाब किया और इसका वीडियो भी बनाया। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित युवक के परिजन मौके पर पहुंचे तो आरोपी फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल युवक को मप्र के बैढ़न स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस बीच बुधवार को घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने लगा। शर्मनाक करतूत की जानकारी होते ही पुलिस हरकत में आई। आनन-फानन शक्तिनगर पुलिस पीड़ित युवक के घर पहुंची, मगर वहां कोई नहीं मिला। बाद में फोन से उनसे संपर्क कर पूरे प्रकरण की जानकारी ली। इस बाबत एएसपी मुख्यालय कालू सिंह ने बताया कि पीड़ित और उसके भाई से मिली जानकारी के आधार पर अंकित भारती को हिरासत में लिया गया है। उसके 7-8 अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। बताया कि घटना में गंभीर चोट आने के कारण परिजन पीड़ित युवक को लेकर सीधे बैढ़न अस्पताल चले गए थे। उनकी ओर से यूपी-112 या शक्तिनगर थाने में कोई सूचना नहीं दी गई थी। प्रकरण संज्ञान में आने के बाद कठोर कार्रवाई की जा रही है। सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। करीब एक साल पहले जुलाई 2023 में जुगैल थाना क्षेत्र पेशाब कांड के कारण सुर्खियों में आया था। नशे में धुत एक वृद्ध ने अनुसूचित जाति के युवक के कान में पेशाब कर दिया था। इसका भी वीडियो वायरल होने पर खलबली मच गई थी। विपक्ष ने इसे मुद्दा बनाया तो पुलिस ने तत्काल आरोपी को गिरफ्तार करते हुए किसी तरह स्थिति संभाली थी। अब नई घटना ने अफसरों के होश उड़ा दिए हैं।

प्रयागराज में दर्दनाक घटना

खेलते समय फूट गया गुब्बारा, तीन वर्ष के मासूम की गई जान

एजेंसी । प्रयागराज

लालगोपालगंज में बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। खेलते समय गुब्बारा फटने से तीन वर्ष के मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। विवाहिता अपने बच्चे को लेकर मायके आई थी। फटने के बाद गुब्बारे का कुछ अंश श्वांस नली में फंस गया। इससे वह तड़पने लगा। आनन फानन परिजन अस्पताल ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम सा मच गया है। जिस गुब्बारे से फूदक-फुदक कर मासूम खेल रही थी, वही उसकी मौत का कारण बनेगा, ऐसा किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था। तीन वर्ष की सायरा की जान गुब्बारे के फटने और श्वास नली में जा चिपकने के कारण चली गई। घटना नवाबगंज थाना क्षेत्र के लालगोपालगंज स्थित मोहल्ला इमामगंज की है।

गुब्बारे का अंश सांस की नली में फंसने से सांस थमी

उतरांव थाना क्षेत्र के फतूहां गांव निवासी नाज बानो पत्नी इमरान अहमद कुछ दिन पूर्व अपनी एकलौती बेटी सायरा (3) को लेकर मायके आई थी। बुधवार को दिन में करीब ग्यारह बजे उसके नाना ने नतिनी को खेलने के लिए गुब्बारे लाकर दे दिया। मासूम गुब्बारा पाकर उससे खेल रही थी, तभी अचानक गुब्बारा फूट गया और मासूम जमीन पर गिर कर तड़पने लगी। उसके मुंह से झाग निकलता देख घर वाले बदहवास होकर पास स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। डाक्टर ने कहा गुब्बारे का अंश सांस की नली में फंसने से उसकी सांस थम गई।

महिला ने दो मासूम बच्चों की गला दबाकर हत्या की

एजेंसी । गोरखपुर

गोरखपुर के गोरनाखनाथ थानाक्षेत्र में एक ने महिला ने अपने बेटे और देवर के बेटे की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद महिला घर के थोड़ी दूर जाकर रेलवे लाइन पर खुदखुशी का प्रयास किया। ट्रेन की टक्कर से महिला घायल हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि, घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, परिवार और पड़ोस की महिलाएं घटनास्थल पर एकत्र हो गई। घटना से सभी हैरत में हैं।

सुलतानपुर एनकाउंटर पर कोर्ट पहुंची मंगेश की मां

एजेंसी । जौनपुर

सुलतानपुर एनकाउंटर में मारे गए मंगेश यादव की मां अब कोर्ट पहुंच गई। मंगेश की मां ने बेटे का एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ जौनपुर कोर्ट में वाद दायर कराया है। कोर्ट को दिए शिकायती पत्र में मंगेश की मां ने एसपी और एसटीएफ प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मियों पर षड्यंत्र करके बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। कोर्ट ने मंगेश की मां की ओर से दिए गए शिकायती पत्र पर मामला दर्ज करके बख्शा थानाध्यक्ष से रिपोर्ट तलब की है। कोर्ट ने 11 अक्टूबर को सुनवाई के लिए तारीख तय की है।

मंगेश एनकाउंटर को लेकर गर्माई थी सियासत

एनकाउंटर में मारे गए मंगेश यादव को लेकर सियासत भी गर्माई थी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगेश यादव के पुलिस एनकाउंटर को फर्जी करार दिया था। सपा अध्यक्ष ने अपराधी की जाति देखकर उसे मुठभेड़ में मारे जाने की बात भी कही थी। हालांकि इस पर पुलिस महानिदेशक ने कहा कि राजनैतिक बयानबाजी का कोई जवाब नहीं था।

- एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ याचिका दायर
- एसपी और एसटीएफ प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मियों पर षड्यंत्र करके बेटे की हत्या का आरोप

क्या है पूरा मामला ?

सर्राफा व्यवसाई भरत सोनी डकैतीकांड में 28 अगस्त को दिन दहाड़े दुकान में घुसकर पांच बदमाशों ने असलहे के बल पर करोड़ों का जेवरात और नगदी लूट ले गए थे। एसपी इस घटना का खुलासा भी किया था। उन्होंने बताया था कि लूट में 15 बदमाश शामिल थे। जिनमें से तीन बदमाशों की गिरफ्तारी हो गई थी, जबकि 11 बदमाश फरार थे। इनमें एक लाख का इनामी मंगेश यादव भी शामिल था। पांच सितंबर को सुबह कोतवाली देहात थाना के बाईपास स्थित मिश्रपुर पुरैना के पास बदमाश और एसटीएफ में मुठभेड़ हुई। जिसमें मंगेश यादव को ढेर कर दिया गया था। पुलिस ने मौके से 32 बोर की एक पिस्टल, कारतूस, 315 बोर का एक तमंचा, बाइक और लूटे गए जेवर बरामद किए थे।

व्यापार जगत

RBI की मीटिंग से पहले मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में बदलाव

सरकार ने 3 नए सदस्यों की नियुक्ति की, 7-9 अक्टूबर को होगी मीटिंग

एजेंसी । मुंबई

सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (MPC), में राम सिंह, सौगत भट्टाचार्य और नागेश कुमार सहित तीन नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति की है। MPC में 6 सदस्य हैं, जिनमें से तीन केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास, डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव रंज हैं। जबकि, तीन बाहरी सदस्यों की नियुक्ति चार साल के लिए केंद्र सरकार करती है। अभी MPC के बाहरी सदस्यों में प्रोफेसर आशिमा गोयल, प्रोफेसर जयंत वर्मा और नई दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार शशांक भिडे हैं। इनका कार्यकाल इसी हफ्ते खत्म हो रहा है। राम सिंह दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के डायरेक्टर हैं, डॉ. नागेश कुमार इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव हैं। सौगत भट्टाचार्य अर्थशास्त्री हैं।

MPC की मीटिंग 7-9 अक्टूबर को होगी

RBI की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी मीटिंग 7-9 अक्टूबर को होगी। गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली इस मीटिंग में ब्याज दर पर फैसला लिया जाएगा। पिछली मीटिंग अगस्त को हुई थी, जिसमें कमेटी ने लगातार 9वीं बार दरों में बदलाव नहीं किया था। अक्टूबर में होने वाली मीटिंग में भी ब्याज दरों में बदलाव की उम्मीद नहीं है। मीटिंग के फैसलों की जानकारी RBI गवर्नर शक्तिकांत दास 9 अक्टूबर को देंगे। ये मीटिंग हर दो महीने में होती है। RBI ने आखिरी बार फरवरी 2023 में दरें 0.25% बढ़ाकर 6.5% की थीं।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.5% की कटौती की

इससे पहले 18 सितंबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.5% की कटौती की थी। चार साल बाद की गई इस कटौती के बाद ब्याज दरें 4.75% से 5.25% के बीच हो गईं। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी है, ऐसे में इसके सेंट्रल बैंक के हर बड़े फैसले का असर दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने कोरोना के दौरान (27 मार्च 2020 से 9 अक्टूबर 2020) दो बार ब्याज दरों में 0.40% की कटौती की। इसके बाद अगली 10 मीटिंग्स में सेंट्रल बैंक ने 5 बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की, चार बार कोई बदलाव नहीं किया और एक बार अगस्त 2022 में 0.50% की कटौती की। कोविड से पहले 6 फरवरी 2020 को रेपो रेट 5.15% पर था।

6 महीने में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की बिक्री 25% बढ़ी

- कुल 8 लाख वाहन बिके, ई-कारों में 1.3% की ही बढ़ोतरी हुई

एजेंसी । नई दिल्ली

सितंबर में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (EV) की बिक्री सालाना आधार पर 25% बढ़ी है। कुल EV रजिस्ट्रेशन (सभी सेगमेंट मिलाकर) 1.49 लाख रहे। बीते साल सितंबर में 1.19 लाख EV रजिस्टर्ड हुई थी। इस साल में में यह आंकड़ा 1.47 लाख रहा था। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में 19% वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान कुल 8.37 लाख EV रजिस्टर्ड हुए। बीते साल समान अवधि में 7.02 लाख वाहन रजिस्टर्ड हुए थे। वाहन पोर्टल के मुताबिक, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही में इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल (कारें व SUV) की बिक्री 43,120 यूनिट रही। बीते साल समान अवधि में 42,550 ई-पैसेंजर व्हीकल बिके थे। पहली तिमाही में बिक्री 8.6% बढ़कर 22,749 यूनिट पहुंच गई थी। दूसरी तिमाही में बिक्री 6% घटकर 20,141 यूनिट रह गई।

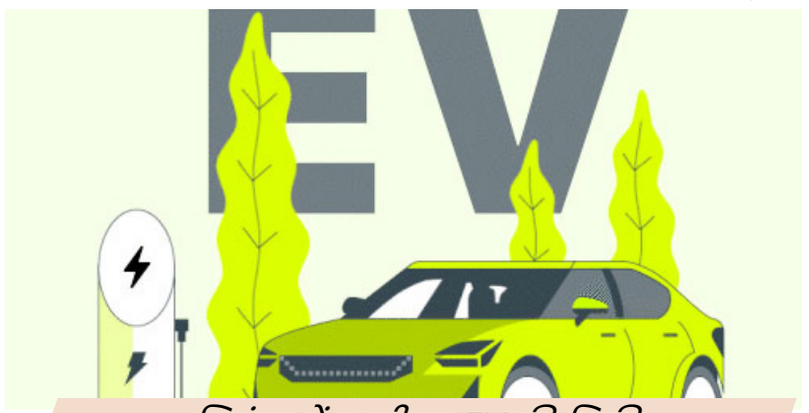

सितंबर में टू व्हीलर EV की बिक्री 40% बढ़ी, 88 हजार बिकीं

- सितंबर में इलेक्ट्रिक टू व्हीलर की बिक्री 88 हजार यूनिट रही। सितंबर 2023 में यह 63 हजार यूनिट और अगस्त 2024 में 87 हजार यूनिट थी। यानी सालाना आधार पर 40% की बढ़ोतरी हुई।
- ओला इलेक्ट्रिक की सितंबर में बिक्री 23,965 यूनिट रही, जो अगस्त 24 में 26,928 यूनिट थी। बजाज ने 18,933 यूनिट बेचे, अगस्त में 16,650 बेचे थे।इससे बजाज को TVS मोटर से आगे निकलकर दूसरा स्थान हासिल करने में मदद मिली।
- इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर का रजिस्ट्रेशन सितंबर में 54 हजार यूनिट था। सितंबर 2023 में यह 49 हजार यूनिट और अगस्त 2024 में 52 हजार यूनिट था। यानी सालाना आधार पर 10% की बढ़ोतरी।

विलय के बाद 'एआई2' से शुरू होगी विस्तारा की फ्लाइट

विलय के बाद विस्तारा के विमान, केबिन क्रू सदस्य और सेवाएं बनी रहेंगी

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। बजट एयरलाइन विस्तारा का टाटा समूह की अगुवाई वाली कंपनी एयर इंडिया में अगले महीने नवंबर में विलय होने जा रहा है। इस विलय के बाद 'विस्तारा' के विमानों से संचालित उड़ानों के नंबरों की शुरुआत 'एआई2' से होगी। एयर इंडिया ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि अगले महीने विलय की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विस्तारा की ओर से संचालित विमानों के नंबरों की शुरुआत 'एआई2' से शुरू होगी। एयरलाइन ने कहा कि विस्तारा के विमान, चालक दल और सेवाएं पहले की तरह संचालित होती रहेंगी। एयर इंडिया ने कहा कि इस विलय के बाद भी विस्तारा का अनुभव बरकरार रहेगा। विस्तारा और एयर इंडिया के विलय की घोषणा नवंबर 2022 में की गई थी। इस विलय को जून में नेशनल कंपनी लॉ ट्राइब्यूनल ने मंजूरी दी थी। विस्तारा में फिलहाल टाटा समूह की हिस्सेदारी 51 फीसदी और सिंगापुर एयरलाइंस की 49 फीसदी है। दोनों कंपनियों के विलय के तहत विमान, स्टाफ और रूट का भी मर्जर होगा।

डीमैट और म्यूचुअल फंड में 10 नॉमिनी बना सकेंगे

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड यानी सेबी ने डीमैट खातों और म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के नामांकन नियमों में बदलाव किया है। 30 सितंबर को, सेबी की बोर्ड मीटिंग में लिए गए फैसले के अनुसार इन दोनों में निवेशकों को 10 व्यक्तियों को नॉमिनी बनाने की अनुमति दी गई है। पहले इसमें यह संख्या तीन तक सीमित थी। नए नियमों के तहत, कुछ सुरक्षा उपायों के साथ, नामांकित व्यक्तियों को अक्षम निवेशकों की ओर से फैसले लेन की अनुमति भी दी जाएगी। इसके

अतिरिक्त, नामांकित व्यक्तियों को एसेट ट्रांसफर करने की प्रक्रिया को भी दुरुस्त किया जाएगा, ताकि कम से कम कागजी कार्रवाई की जरूरत हो। बाजार नियामक ने घोषणा की है कि वह संयुक्त खाताधारकों के लिए ट्रांसफर प्रक्रिया को भी सरल बनाएगा। नामांकित व्यक्तियों को पैन, पासपोर्ट नंबर या आधार जैसे दस्तावेज देने होंगे। जब कोई निवेश नामांकित व्यक्तियों को हस्तांतरित किया जाएगा, तो वे निवेशकों के कानूनी उत्तराधिकारियों के लिए ट्रस्टी के रूप में कार्य करेंगे। म्यूचुअल फंड के फोलियो में नामांकित व्यक्ति का नाम जोड़ने या उसमें बदलाव करने के नियम अब आसान हो गए हैं। इसके लिए अब संयुक्त खाताधरकों के हस्ताक्षर की जरूरत नहीं पड़ेगी। पिछले सर्कुलर में सेबी ने घोषणा की कि स्टॉक और म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए कॉम्पलिएंस को आसान बनाने के लिए, नॉमिनेशन जमा न करने के कारण डीमैट खाते और म्यूचुअल फंड फोलियो अब फ्रीज नहीं किए जाएंगे।

भारत में वैश्विक निवेशकों के लिए अपार संभावना: गोयल

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी कारोबारियों को भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनने, मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और वैश्विक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया। चार दिवसीय आधिकारिक दौर पर अमेरिका पहुचे वाणिज्य मंत्री भारत और अमेरिका के बीच मजबूत व्यापारिक और निवेश संबंधों को बल देने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल हुए। वाणिज्य मंत्री ने बुधवार को 'एक्स' पोस्ट पर दी जानकारी में कहा कि उन्होंने यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) सहित कई अलग-अलग बैठकों में विभिन्न क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा करने के लिए प्रमुख वैश्विक फर्मों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि न्यूजवीक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और मालिक देव प्रगाद से मिलकर बहुत अच्छा लगा।

महिला टी-20 विश्व कप

बांग्लादेश और स्कॉटलैंड के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगा क्रिकेट का रोमांच

आज से महासंग्राम का आगाज

18 दिन तक चलेगा महिलाओं का वैश्विक टूर्नामेंट, 20 अक्तूबर को मिलेगा चैंपियन

एजेंसी । दुबई

शारजाह में गुरुवार को बांग्लादेश और स्कॉटलैंड के बीच मुकाबले के साथ ही महिला टी-20 विश्व का महासंग्राम शुरू हो जाएगा। करीब 18 दिन तक चलने वाले आईसीसी के इस टूर्नामेंट में इसी दिन शाम को दूसरा मुकाबला श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच खेला जाएगा। भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमें इस वैश्विक टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया का लंबे समय से चला आ रहा वर्चस्व खत्म करने की कोशिश करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम नौ में से छह बार यह खिताब जीत चुका है। टूर्नामेंट बांग्लादेश में खेला जाना था लेकिन वहां राजनीतिक अशांति के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इसे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानांतरित कर दिया था। दस टीमों के बीच खेले जाने वाले टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया को हराना सभी टीमों के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। टीम पिछले तीन बार की लगातार चैंपियन है। इंग्लैंड, भारत और दक्षिण अफ्रीका में समय-समय पर दिखाया है कि ऑस्ट्रेलिया को हराया जा सकता है।

नंबर गेम

- 1 बार अब तक टूर्नामेंट में 200 का स्कोर बना है जो इंग्लैंड (213/5) ने पिछले साल पाक के खिलाफ केप टाउन में बनाया था
- 2 भारतीय गेंदबाजों रेणुका सिंह (15/5) और प्रियंका रॉय (16/5, 2009) सहित छह गेंदबाज ही अब तक एक मैच में पांच विकेट ले पाई हैं
- 6 बार ऑस्ट्रेलिया ने अब तक ट्रॉफी पर किया है कब्जा। सात बार फाइनल में पहुंचा और सिर्फ एक बार 2016 में खिताबी मुकाबले में हारा

भारत को पहली ट्रॉफी का इंतजार

ऑस्ट्रेलिया के सामने कड़ी चुनौती पेश करने वाली एक और टीम भारत है। हालांकि वह भी अपने इस प्रतिद्वंद्वी के सामने आखिरी बाधा पार करने में नाकाम रही है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम टी-20 विश्व कप 2020 और राष्ट्रमंडल खेल 2022 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी। इस बार टीम हर हाल में पहली आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार खत्म करने को बेताब होगी। टीम को हाल में एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका से हार मिली थी। इसके बाद उसे तैयारी का बहुत मौका नहीं मिला। टीम ने अपनी फिटनेस और फील्डिंग पर काफी काम किया है और उम्मीद है कि इसके सकारात्मक परिणाम टूर्नामेंट के दौरान देखने को मिलेंगे।

हीली के कंधों पर जिम्मेदारी

18 महीने पहले दक्षिण अफ्रीका में टीम को चैंपियन बनाने के बाद मेग लैनिंग ने संन्यास ले लिया था। अब ऑस्ट्रेलिया का दबदबा बरकरार रखने का जिम्मा कप्तान एलिसा हीली के कंधों पर होगा। हीली आगे बढ़कर नेतृत्व करना चाहेगी। अगर वह ऐसा करने में नाकाम रहती हैं तब भी टीम के पास एलिसे पैरी, एशले गार्डनर और ग्रेस हैरिस जैसी मैच विजेता खिलाड़ी हैं।

आज के मुकाबले

बांग्लादेश बनाम स्कॉटलैंड
> दोपहर 3:30 बजे

पाकिस्तान बनाम श्रीलंका
> शाम 7:30 बजे

15 साल का सूखा खत्म करना चाहेगा इंग्लैंड

इंग्लैंड की निगाह 15 साल का खिताबी सूखा खत्म करने पर होगी। टीम ने 2009 में पहला विश्व कप जीता था। उसके बाद तीन बार फाइनल में पहुंचा और हर बार ऑस्ट्रेलिया से हार गया। उसकी टीम ने हालांकि पिछले साल महिला एशेज में अपने इस प्रमुख प्रतिद्वंद्वी को हराकर सीरीज जीती थी जिससे उसकी टीम प्रेरणा लेना चाहेगी। यूएई कि पिचें स्पिनरों के लिए मददगार होने की उम्मीद की जा रही है। ऐसे में इग्लैंड की तुरुप का इक्का सोफी एक्लेस्टोन की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी। टीम में उनका साथ देने के लिए सारा ग्लेन और चार्ली डीन जैसे गेंदबाज शामिल हैं।

मंधाना और जेमिमा पर दारोमदार

यहां की परिस्थितियां भारतीय टीम के अनुकूल हो सकती हैं। बल्लेबाजी विभाग में सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना और जेमिमा पर जिम्मेदारी होगी। हरमनप्रीत और ऋचा घोष को बीच के ओवरों और डेथ ओवरों में अपनी भूमिका निभानी होगी।

लॉरा की टीम में भी है दम

लॉरा की दक्षिण अफ्रीकी टीम अपना दिन होने पर मैच का पासा पलटने का दम रखती है। टीम ने पिछले विश्व कप में अपने घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम पहली बार फाइनल में पहुंची थी जहां उसे ऑस्ट्रेलिया ने हार का सामना करना पड़ा था। उसकी टीम ने हाल में मिला-जुला प्रदर्शन किया है लेकिन यहां वह कुछ चौंकाने वाले परिणाम दे सकती है। बल्लेबाजी की जिम्मेदारी लॉरा के साथ ब्रिटज और नादिन डी क्लर्क, ट्रायोन और सुने के कंधों पर होगी। गेंदबाजी में खाका और युवा अयंदा ह्लुबी भी दम दिखाने को तैयार होंगी।

सिमोन-आंद्रेआ बने पुरुष युगल चैंपियन

एजेंसी । बीजिंग

इटली के सिमोन बोलेली और आंद्रेआ वावासोरी ने चाइना ओपन में पुरुष युगल खिताब जीत लिया है। इस शीर्ष वरीय जोड़ी ने फाइनल में ब्रिटेन के हैनरी पैटन और फिनलैंड के हैरी हेलिओवारा की तीसर वरीय जोड़ी को एक सेट गंवाने के बाद 4-6, 6-3, 10-5 से शिकस्त देकर ट्रॉफी पर कब्जा किया।

सबालेंका का अभियान जारी

महिलाओं के एकल वर्ग में विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने बुधवार को अमेरिका की मैडिसन कीज को 6-4, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने के साथ करियर की सर्वश्रेष्ठ लगातार 15 जीत की बराबरी की। 26 वर्षीय सबालेंका अब चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से भिड़ेंगी, जिन्होंने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-2, 6-0 से हराया। तीन ग्रैंड स्लैम विजेता सबालेंका अगस्त में सिनसिनाटी ओपन जीतने के बाद से अजेय हैं। उन्होंने पिछले महीने यूएस ओपन खिताब भी जीता था।

शंघाई मास्टर्स में जीते मोंफिल्स

एजेंसी । शंघाई

फ्रांस के अनुभवी खिलाड़ी गेल मोंफिल्स ने दामिर दजुमहुर को 6-4, 6-3 से पराजित करके शंघाई मास्टर्स टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। 38 वर्षीय मोंफिल्स अब अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बाएज का सामना करेंगे। इसके अलावा आर्थर रिंडरकनेच ने अमेरिका के रीली ओपेल्का को 6-4, 7-6 से तो नीदरलैंड्स के बोटिक वॉन डे जैंड्सचुल्प ने पाब्लो कैरेनो बुस्टा को 7-6 (5), 6-2 से हराया। एलेक्जेंडर मुलर ने भी एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए इटली के लुका नार्डी को 4-6, 6-1, 6-1 से शिकस्त दी।

हर प्रारूप में अलग कप्तान बना सकता है पीसीबी

एजेंसी । कराची

व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर और सीमित ओवरों के कप्तान पर बढ़ते दबाव के मद्देनजर पाकिस्तान में तीनों प्रारूपों के लिए अलग-अलग कप्तानों की नियुक्ति की जा सकती है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बाबर आजम को वनडे टीम की कप्तानी देने वाला था लेकिन उन्होंने मंगलवार रात कप्तानी से इस्तीफा दे दिया।

मुहम्मद रिजवान हो सकते हैं सीमित ओवरों के कप्तान

सूत्रों का मानना है कि सीमित ओवरों के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन या चयन समिति के लिए अगला कप्तान चुनना आसान नहीं होगा। सूत्र ने कहा, मुहम्मद रिजवान सीमित ओवरों के कप्तान हो सकते हैं क्योंकि बाबर के अलावा वही अकेले खिलाड़ी हैं जिनकी तीनों प्रारूपों की टीम में जगह पक्की है। पर टीम के व्यस्त कैलेंडर को देखते हुए रिजवान का कार्यभार भी चिंता का सबब होगा। सूत्र ने कहा कि ऐसी भी संभावना है कि पीसीबी वनडे और टी-20 के लिए अलग तथा टेस्ट के लिए अलग कप्तान चुने।

अश्विन को पछाड़ बुमराह दूसरी बार नंबर वन गेंदबाज

एजेंसी । दुबई

कानपुर टेस्ट में छह विकेट लेने वाले भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हमवतन रविचंद्रन अश्विन को पछाड़ते हुए टेस्ट रैंकिंग में दूसरी बार नंबर वन गेंदबाज बन गए हैं। इसके अलावा बल्लेबाजी रैंकिंग में यशस्वी जयसवाल तीसरे पायदान और विराट कोहली छठें स्थान पर पहुंच गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार गेंदबाजी में बुमराह 870 अंकों के साथ पहले पायदान पर है। वहीं आर अश्विन 869 अंक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए है। यह दूसरी बार है जब बुमराह टेस्ट रैंकिंग में नंबर वन बने हैं।

विश्व कप के दौरान पुरस्कृत होंगे वर्ष के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज

एजेंसी । नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज की दौड़ में शामिल खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। विजेताओं को नई दिल्ली में 13 से 18 अक्तूबर के बीच होने वाले विश्व कप फाइनल के उद्घाटन समारोह के दौरान पुरस्कृत किया जाएगा। विजेताओं को ट्रॉफी और डिप्लोमा दिया जाएगा। महासंघ के अध्यक्ष लुसियानो रॉसी के अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ उद्घाटन समारोह में भाग लेने की उम्मीद है। महासंघ ने बयान ने कहा कि महिला और पुरुष वर्ग में छह-छह खिलाड़ियों का चयन एक मतदान प्रक्रिया से किया गया। इसमें इस खेल की सर्वोच्च संस्था के खिलाड़ी और कोचिंग आयोग के सदस्यों, मीडिया टीम और खेल को कवर करने वाले पत्रकारों ने हिस्सा लिया था।

शाहरुख खान की 'जवान' जापान में होगी रिलीज

शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' को 7 सितंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। एटली के निर्देशन में बनी यह फिल्म बीते साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है। 300 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 643 .87 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। दुनियाभर में यह 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने में सफल रही। अब 'जवान' जापान में रिलीज होने जा रही है।

नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है 'जवान'

'जवान' 29 नवंबर, 2024 को जापानी सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। शाहरुख ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो साझा कर इस खबर की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, 'एक्शन से भरपूर फिल्म के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि 'जवान' जापान की ओर बढ़ रहा है।' इस फिल्म में नयनतारा, विजय सेतुपति और दीपिका पादुकोण जैसे सितारे भी अहम भूमिका में हैं। गौरी खान इस फिल्म की निर्माता हैं। इस फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

थलापति विजय की फिल्म में नजर आएंगी पूजा हेगड़े

अभिनेता थलापति विजय को पिछली बार फिल्म 'GOAT' यानी 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' में देखा गया था, जिसमें वह डबल रोल में नजर आए। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। इस फिल्म प्रीमियर 3 अक्टूबर से नेटफ्लिक्स पर होने जा रहा है। अब विजय फिल्म 'थलापति 69' के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। ताजा खबर यह है कि इस फिल्म की स्टार कास्ट में अभिनेत्री पूजा हेगड़े शामिल हो गई हैं।

'बीस्ट' में कर चुके हैं साथ काम

'थलापति 69' में पूजा मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आएंगी। निर्माताओं ने लिखा, 'हम एक बार फिर से शानदार जोड़ी को बड़े पर्दे पर ला रहे हैं। आधिकारिक तौर पर पूजा हेगड़े का स्वागत है।' यह विजय और पूजा के बीच दूसरा सहयोग है। इससे पहले दोनों फिल्म 'बीस्ट' (2022) में साथ काम कर चुके हैं। 'थलापति 69' विजय के करियर की आखिरी फिल्म है। इसके बाद वह राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय हो जाएंगे।

अनन्या पांडे हैं इम्पोस्टर सिंड्रोम की शिकार

चंकी पांडे की बेटी और अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों खूब चर्चा में हैं और हों भी क्यों ना, उनकी फिल्म 'CTRL' रिलीज होने की राह पर जो निकल पड़ी है। यह एक साइबर थ्रिलर फिल्म है और अनन्या इन दिनों अपनी इसी फिल्म के प्रचार-प्रसार में जुटी हैं। हाल ही में उन्होंने बातों-बातों में यह खुलासा किया कि वह एक ऐसी समस्या से जूझ रही हैं, जिसके चलते अभिनेत्री अपने आप को भी नहीं पहचान पातीं। अनन्या ने कहा, 'मैं इम्पोस्टर नाम के एक सिंड्रोम से पीड़ित हूं। ये सिंड्रोम किसी साधारण सी बात से शुरू होती है, जैसे कि जब कोई मेरा नाम लेता है। इंटरव्यू और अन्य चीजों के दौरान, मुझे लगता है कि मेरा नाम वास्तव में मेरा नहीं है और यह मुझे तीसरे व्यक्ति जैसा महसूस कराता है। जब ऐसा होता है तो मुझे अचानक किसी और की तरह बनने का मन करता है।'

अनन्या को नहीं याद रहता अपना चेहरा

अनन्या बोलीं, 'जब मैं खुद को किसी बिलबोर्ड या पोस्टर में देखती हूं तो मुझे लगता है कि ये मैं नहीं हूं। अपनी फिल्मों को देखकर भी मुझे ऐसा ही महसूस होता है। मैं इन्हें एक आम दर्शक की तरह ही देखती हूं। मैं भूल जाती हूं कि सामने या पर्दे पर मैं ही नजर आ रही हूं। मैं अपना चेहरा भूल जाती हूं।' अनन्या कहती हैं, 'मैं अपनी सबसे बड़ी आलोचक हूं। मुझे कभी मैं बेहतरीन नहीं लगती।'

'वेट्टैयन' का ट्रेलर रिलीज

73 के रजनीकांत 81 के अमिताभ बच्चन से लेंगे लोहा वीडियो में छा गए दोनों सुपरस्टार

रजनीकांत की मुख्य भूमिका वाली तमिल फिल्म 'वेट्टैयन' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर बुधवार को निर्माताओं द्वारा सोशल मीडिया पर जारी किया गया। यह फिल्म टीजे ग्नानवेल द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म 10 अक्तूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। ट्रेलर में रजनीकांत और अमिताभ बच्चन का दमदार एक्शन देखने को मिला है। ट्रेलर कहानी की एक झलक पेश करती है। वहीं, 33 साल बाद रजनीकांत और अमिताभ बच्चन को एक ही फ्रेम में देखकर दर्शक उत्साहित हो उठे हैं।

धमाकेदार ट्रेलर

'वेट्टैयन' का ट्रेलर पुलिस विभाग द्वारा एक अपराध की घटना की पड़ताल करने से शुरू होता है। फिर मामले में रजनीकांत की एंट्री होती है और वह अपराधी का पता लगाने में जुट जाते हैं। उन्हें अमिताभ बच्चन के खिलाफ जाकर अपना काम करते देखा जाता है। ट्रेलर से साफ हो रहा है कि फिल्म में रजनीकांत एक वफादार पुलिसवाले की भूमिका निभा रहे हैं।

चरम पर पहुंचा प्रशंसकों का उत्साह

इस 2 मिनट 39 सेकंड के ट्रेलर में फिल्म के मोंटाज की एक सीरीज भी है, जिसे देखने के बाद लोग यह जानने के लिए उत्सुक हो उठे हैं कि आखिर गलत काम के पीछे किस शख्स का हाथ है और प्रत्येक किरदार इससे कैसे जुड़ा हुआ है।

हंसल मेहता की वेब सीरीज 'गांधी' से जुड़े रहमान

पिछले कुछ वक्त से हंसल मेहता अपनी आगामी वेब सीरीज 'गांधी' को लेकर खबरों का हिस्सा बने हुए हैं। इसमें अभिनेता प्रतीक गांधी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अब भारतीय संगीतकार एआर रहमान भी इस वेब सीरीज से जुड़ गए हैं। 2 अक्टूबर, 2024 को गांधी जयंती के खास मौके पर मेहता ने खुद इस खबर पर मुहर लगाई है। इस वेब सीरीज में रहमान का संगीत भी सुना जाएगा। मेहता ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा, 'संगीत के उस्ताद एआर रहमान टीम 'गांधी' में शामिल हुए। गांधी जयंती के अवसर पर हम महात्मा को याद करते हैं और इस विशेष सहयोग की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं।' उधर, रहमान ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा, 'गांधी जयंती के अवसर पर महात्मा को याद करते हुए इस विशेष सहयोग की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है।'

न्यूज़ ब्रीफ

प्रधानमंत्री ने महालया की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को महालया के मौके पर देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। महालया को दुर्गा पूजा की शुरुआत और पितृपक्ष का समापन माना जाता है। प्रधानमंत्री ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, शुभ महालया! दुर्गा पूजा के करीब आने पर हम प्रार्थना करते हैं कि आशा, अच्छाई और सकारात्मकता हमेशा बनी रहे। मां दुर्गा हमें हमेशा खुशी, शक्ति और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद दें।

अमित शाह आज गुजरात को देंगे 447 करोड़ के प्रकल्पों की सौगात

अहमदाबाद। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह 3 अक्टूबर को अहमदाबाद शहर में 447 करोड़ रुपए के 88 कामों का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे। इसमें 14 विकास कार्यों का लोकार्पण और 74 प्रकल्पों का भूमिपूजन किया जाएगा। शाह अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में वाइब्रेंट गुजरात नवरात्रि महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नवरात्र के पहले दिन गुरुवार को अपने लोकसभा क्षेत्र में व्यस्त कार्यक्रम रहेगा। सुबह से शाम तक वे 13 कार्यक्रमों में शामिल होंगे। 3 अक्टूबर को सुबह 10.10 बजे चाणक्यपुरी अहमदाबाद में स्वस्थ लोकसभा अभियान के तहत स्वास्थ्य जांच कैम्प का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद सुबह 10.40 बजे जीएमईआरएस सोला में टेली रीहेबिलिटेशन सेंटर और साउण्ड प्रूफ रूम का लोकार्पण करेंगे। सुबह 11 बजे एमएमसी के बनाए गए नए सब्जी मार्केट का लोकार्पण करेंगे। 11.15 बजे अहमदाबाद के भाडज में प्राथमिक स्कूल का लोकार्पण करेंगे।

ट्रक पलटने के बाद केबिन में आग लगी, ड्राइवर की जलकर मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में पुणे- नेशनल हाइवे पर बुधवार सुबह ट्रक पलट गया। इसके बाद ट्रक में आग लग गई। पुलिस ने बताया घटना बुधवार सुबह पुणे से 46 किलोमीटर दूर कामशेत के पास ढलान पर हुई। मेटल कॉइल ले जा रहा ट्रक नियंत्रण खोने के बाद पलट गया। इसके बाद ट्रक के केबिन में आग लग गई। ट्रक के ड्राइवर की इस घटना में जलकर मौत हो गई। ट्रक का क्लिनर घायल है।

दिल्ली पुलिस ने 560kg कोकीन जब्त की, कीमत 2000 करोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को ड्रग्स सिंडीकेट पर कार्रवाई की। पुलिस की स्पेशल सेल ने 560 किलोग्राम कोकीन जब्त की है। इस कोकिन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2000 करोड़ रुपए हैं। 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनसे पूछताछ की जा रही है।

मुख्यमंत्री आवास खाली करेंगे दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल नए घर में शिफ्ट होंगे। बुधवार को AAP ने कहा कि केजरीवाल के लिए मंडी हाउस इलाके में घर फाइनल हो गया है। फिरोजशाह रोड पर AAP के राज्यसभा सांसदों को आवंटित दो बंगलों में से एक में केजरीवाल रहेंगे। AAP के मुताबिक दोनों बंगले पार्टी मुख्यालय से कुछ मीटर की दूरी पर हैं। केजरीवाल 4 अक्टूबर को फ्लैग स्टाफ रोड स्थित सीएम आवास खाली करके यहां आएंगे।

राजस्थान, मध्यप्रदेश में बम विस्फोट करने की धमकी

सिलसिलेवार बम विस्फोट करने की धमकी के बाद दोनों राज्यों की पुलिस सतर्क

जैश-ए-मोहम्मद के नाम से हनुमानगढ़ स्टेशन मास्टर को भेजा धमकी भरा पत्र

एजेंसी । जयपुर

राजस्थान और मध्यप्रदेश में धार्मिक स्थानों और रेलवे स्टेशनों पर बम विस्फोट की धमकी वाला कथित पत्र मिलने के बाद पुलिस तथा सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को यह धमकी वाला पत्र मिला। पत्र भेजने वाले ने दो नवंबर को राजस्थान और मध्य प्रदेश में धार्मिक स्थल, रेलवे स्टेशन व महत्वपूर्ण स्थानों पर बम विस्फोट की धमकी दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों राज्यों की पुलिस सतर्क हो गई है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

हनुमानगढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्यारे लाल मीणा ने बताया कि लिफाफे में बंद पत्र, डाक के जरिए हनुमानगढ़ स्टेशन मास्टर को भेजा गया। स्थानीय पुलिस को शाम को इसकी सूचना मिली। पत्र में जैश-ए-मोहम्मद के नाम से धमकी दी गई है कि 30 अक्तूबर को रेलवे स्टेशन और गंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर, बीकानेर, कोटा, बूंदी, उदयपुर, जयपुर को बम से उड़ा दिया जाएगा। इसके साथ ही दो नवंबर को राजस्थान व मध्य प्रदेश में धार्मिक स्थलों में बम विस्फोट की धमकी दी गई है। जैश-ए-मोहम्मद पाकिस्तान का आतंकी संगठन है।

राजस्थान पुलिस को किया अलर्ट

एएसपी ने बताया कि सूचना पर स्थानीय पुलिस, जीआरपी और बीएसएफ सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां रेलवे स्टेशन पर पहुंचीं और वहां गहन तलाशी ली। मीणा के अनुसार, इस संबंध में रेलवे पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पत्र भेजने वाले का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। साथ ही राजस्थान पुलिस को भी मामले से अवगत करा दिया है। प्रदेशभर में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं।

जिहादियों की मौत का बदला लेंगे :

उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ कैप्टन शशि किरण ने कहा कि पत्र मिलने के बाद हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन पर कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। प्रदेश में सभी रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पीले लिफाफे में भेजे गए पत्र में लिखा है कि जम्मू-कश्मीर में जिहादियों की मौत का बदला लिया जाएगा। धमकी के मद्देनजर लोगों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए गए हैं। जांच जारी रहने के कारण अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर केस

जूनियर डॉक्टर्स ने निकाला मार्च

12 दिन बाद वापस हड़ताल पर जूनियर डॉक्टर्स

एजेंसी । कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर कॉलेज एंड हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस को लेकर जूनियर डॉक्टर ने फिर से मार्च निकाला। ये विरोध मार्च कोलकाता में कॉलेज स्क्वायर से धर्मतला तक निकाला गया। जूनियर डॉक्टरों ने राज्य सरकार पर दबाव बनाने के लिए काम बंद कर दिया है। डॉक्टरों की मांग है कि उन्हें पूरी तरह सुरक्षा दी जाए। इससे पहले जूनियर डॉक्टर 10 अगस्त से लेकर 42 दिन तक विरोध प्रदर्शन करते रहे। 21 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी पर वापस आए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर को सुनवाई के दौरान अस्पतालों की सुरक्षा में कोताही पर ममता सरकार की खिंचाई की थी। साथ ही आदेश दिया कि सभी अस्पतालों में 15 दिन में CCTV लगाए जाएं। 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जूनियर डॉक्टर से रेप मर्डर के विरोध में ट्रेनी डॉक्टर्स हड़ताल कर रहे थे।

जूनियर डॉक्टर बोले- ममता ने मीटिंग में किए वादों पर काम नहीं किया

विरोध प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टर में से एक अनिकेत महतो ने हड़ताल का ऐलान करते हुए कहा- हमारी सुरक्षा की मांगों को पूरा करने के लिए ममता सरकार का रवैया पॉजिटिव नहीं लग रहा है। आज 52वां दिन है। हम पर अभी भी हमले हो रहे हैं। CM ममता के वादों को पूरा करने का कोई प्रयास होता नहीं दिख रहा है। हमारे पास आज से पूरी तरह काम बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। जब तक हम राज्य सरकार की तरफ से कार्रवाई नहीं देखते, तब तक काम बंद रहेगा।

डॉक्टरों-नर्सों पर हमले हुए, इसी वजह से फिर शुरू की हड़ताल

दरअसल, कोलकाता के सागोर दत्ता हॉस्पिटल में 27 सितंबर को एक मरीज की मौत के बाद 3 डॉक्टरों और 3 नर्सों से पिटाई का मामला सामने आया था। इसी घटना से जूनियर डॉक्टर्स नाराज हैं। डॉक्टर्स ने अस्पताल में प्रदर्शन भी किया। इस मामले में 4 प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को हिरासत में लिया गया है। डॉक्टर्स की मांग है कि उन्हें अस्पतालों में सुरक्षा मुहैया कराई जाई, ताकि वे बिना डर के ड्यूटी कर सकें।

मणिपुर के उखरुल में हिंसा

3 की मौत, 10 से ज्यादा घायल, जमीन विवाद में दो पक्षों में फायरिंग

चुराचांदपुर में उग्रवादी की हत्या

एजेंसी । उखरुल

मणिपुर के उखरुल जिले में बुधवार को नगा समुदाय के दो पक्षों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई। 10 से ज्यादा घायल हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 163, 2023 की उप-धारा 1 के तहत इलाके में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। अगले आदेश तक लोगों के घरों से निकलने पर रोक है। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्ष नगा समुदाय के हैं, लेकिन हुनफुन और हंगपुंग नाम के दो अलग-अलग गांव हैं। दोनों पक्ष एक जमीन पर अपना दावा करते हैं। स्वच्छता अभियान के तहत विवादित जमीन की सफाई को लेकर दोनों पक्षों के बीच हिंसा हुई। इलाके में असम राइफल्स को तैनात किया गया है।

चुराचांदपुर में उग्रवादी की गोली मारकर हत्या

दूसरी तरफ, चुराचांदपुर जिले के लीशांग गांव के पास मंगलवार को अज्ञात लोगों ने एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के टाउन कमांडर की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान जिले के कपरंग गांव के निवासी सेखोहाओ हाओकिप के रूप में की गई। पुलिस ने बताया कि मृतक यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (UKNA) का सदस्य था। घटना कल सुबह 12:15 बजे चुराचांदपुर में टोरबुंग बंगले से करीब 1.5 किमी दूर हुई। पुलिस ने हाओकिप के शव को चुराचांदपुर मेडिकल कॉलेज के मॉर्चुरी में रखवा दिया है।

असम में पकड़े गए 14 बांग्लादेशी

गुवाहाटी। असम में घुसपैठ करते हुए 14 बांग्लादेशी पकड़े गए हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि राज्य में अवैध रूप से प्रवेश करते पकड़े गए बांग्लादेशियों में से नौ के पास आधार कार्ड थे। एक्स पर सीएम सरमा ने पोस्ट किया कि बांग्लादेशियों को दक्षिण सलमारा-मनकाचर और करीमगंज जिलों में पकड़ा गया। इनमें से नौ के पास भारतीय आधार कार्ड पाए गए। सीएम ने असम पुलिस बल की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब से बांग्लादेश में स्थिति तनावपूर्ण हुई है। हम सीमा पर कड़ी नजर रख रहे हैं। इस अवधि में 108 घुसपैठियों को पकड़ा है। असम के करीमगंज, कछार, धुबरी और दक्षिण सलमारा-मनकाचर जिले बांग्लादेश के साथ 267.5 किमी लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। करीमगंज के सुतारकांडी में एक एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) है। पूर्वोत्तर में तीन आईसीपी हैं। जिनमें से दो अन्य मेघालय के डौकी और त्रिपुरा के अखौरा में स्थित है। पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने हाल ही में कहा था कि राज्य पुलिस और बीएसएफ कानून के अनुसार गैर-भारतीयों को बांग्लादेश से देश में प्रवेश करने के प्रयास को रोकने की हर संभव कोशिश की जा रही है।

रेड वेलवेट और ब्लैक फॉरेस्ट केक दे सकते हैं आपको कैंसर

एजेंसी । नई दिल्ली

केक हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा है, जब भी कोई खुशी का पल आता है तो हम केक काटते हैं, लेकिन जब वही केक आपकी बीमारी का पर्याय बन जाए तब आप क्या कहेंगे.... बेंगलुरु में केक की 12 किस्मों में कैंसर पैदा करने वाले तत्व मिले हैं वहीं अब कर्नाटक खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता विभाग ने लोगों से सावधानी बरतने की सलाह दी है।

परीक्षणों से पता चला

विभाग ने राज्य में बेकरियों द्वारा तैयार केक में संभावित कैंसरकारी तत्वों के उपयोग के संबंध में एक गंभीर चेतावनी जारी की है। विजयवाणी की रिपोर्ट के अनुसार बेंगलुरु की कई बेकरियों के केक पर किए गए परीक्षणों से पता चला है कि 12 अलग-अलग किस्मों में कैंसर पैदा करने वाले तत्व होते हैं। वहीं, कर्नाटक खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता विभाग ने बेकरियों से खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों का पालन करने का आग्रह किया है और इस बात पर जोर दिया है कि ये कृत्रिम रंग न केवल कैंसर के खतरे को बढ़ाते हैं बल्कि विभिन्न शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में भी योगदान दे सकते हैं।

रेड वेलवेट और ब्लैक फॉरेस्ट जैसे केक में मिले कैंसरकारक तत्व

इस चौंकाने वाले खुलासे ने केक प्रेमियों के बीच चिंता पैदा कर दी है। रेड वेलवेट और ब्लैक फॉरेस्ट जैसी लोकप्रिय किस्में, जो अक्सर देखने में आकर्षक कृत्रिम रंगों से बनाई जाती हैं, को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिमों के रूप में उजागर किया गया है। नमूनों से अल्लुरा रेड, सनसेट येलो एफसीएफ, पोंसो 4आर, टार्ट्राज़िन और कार्मोइसिन जैसे कृत्रिम रंगों की उपस्थिति का पता चला है जो कैंसर के कारक हो सकते हैं।

तिरुमला मंदिर पहुंचे पवन कल्याण, प्रायश्चित दीक्षा पूरी की

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बुधवार को तिरुमला मंदिर का दौरा किया और अपनी 11 दिन की तपस्या (प्रायश्चित दीक्षा) पूरी की। उन्होंने यह तपस्या पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के कथित पापों और मंदिर के प्रसाद में मिलावटी घी के इस्तेमाल के आरोपों के प्रायश्चित के लिए की। उपमुख्यमंत्री के साथ उनकी बेटियां आध्या और पलिना अंजनी कोनिडेला भी मंदिर पहुंचीं। एक आधिकारिक बयान में बताया में बताया गया कि हिंदू धर्म की रक्षा के लिए 11 दिन की तपस्या करने वाले पवन कल्याण ने बुधवार को श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए और अपनी तपस्या त्यागी। उपमुख्यमंत्री अपने साथ भगवान के लिए 'वाराही घोषणापत्र लेकर पहुंचे हैं, जिसके बारे में वह गुरुवार को तिरुपति में एक बैठक के दौरान जानकारी देंगे। वर्तमान में कल्याण मंदिर के तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। उपमुख्यमंत्री की छोटी बेटी पलिना ने बुधवार को तिरुमाला मंदिर में घोषणा की कि वह भगवान वेंकटेश्वर में आस्था रखती हैं। पलिना हिंदू नहीं हैं और तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर के आधिकारिक संरक्षक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के नियमों के अनुसार गैर-हिंदुओं को मंदिर में जाने से पहले देवता में अपनी आस्था के संबंध में घोषणा करनी होती है।

बनासकांठा में IAF का नया स्टेशन बनेगा

यहां से पाकिस्तान सिर्फ 130 किमी दूर, इंडियन एयर फोर्स की ताकत बढ़ेगी

बनासकांठा। पाकिस्तान की सीमा से सिर्फ 130 किमी दूर गुजरात बनासकांठा जिले में स्थित डीसा शहर में भारतीय वायुसेना का नया स्टेशन बनेगा। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने डिसा एयरबेस पर उपलब्ध रनवे का सर्वेक्षण किया, जिसे ओब्सटेकल लिमिटेशन सरफेस सर्वे के रूप में जाना जाता है। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने इस सर्वे का काम सिंगापुर की एक निजी कंपनी को सौंपा है। उसी के तहत सिंगापुर से डीए-62 प्रकार का एक छोटा विमान अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचा। इस तरह का विशेष प्रकार का सर्वे केवल विदेशी कंपनियां ही करती हैं, जिनमें पायलट भी काफी सक्षम होते हैं और उनके पास उड़ान का व्यापक अनुभव होता है। अब इस सर्वे की रिपोर्ट रक्षा मंत्रालय को सौंपी जाएगी। जिसके जरिए पूरे एयरपोर्ट का नक्शा तैयार किया जाएगा।

4500 एकड़ में बनेगा एयरबेस, कांडला को सुरक्षा मिलेगी

एयरबेस की स्थापना के लिए 4,500 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। 1,000 करोड़ के निवेश की जरूरत होगी। रनवे 394 करोड़ की लागत से बनाया जाएगा। पूरा एयरफोर्स स्टेशन ग्रीन फील्ड कॉन्सेप्ट तकनीक पर आधारित होगा जो पर्यावरण के अनुकूल है। एयरफोर्स स्टेशन के निर्माण से अवसर पैदा होकर कच्छ और दक्षिण राजस्थान में आर्थिक समृद्धि आएगी। डीसा एयरफील्ड की स्थापना से भारत को पश्चिमी सीमा पर जमीन और समुद्री संचालन के लिए भौगोलिक रूप से सुरक्षित लॉन्च पैड उपलब्ध होगा। अहमदाबाद, वडोदरा को हवाई सुरक्षा मिलेगी। यह एयरफील्ड कांडला पोर्ट और जामनगर ऑयल रिफाइनरी के पूर्व में एयरबेस स्थापित करके भारत को अपने आर्थिक और ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा। उनकी सुरक्षा में वृद्धि होगी।

रिपोर्ट | बाढ़ के कारण हर साल औसतन 15,000 करोड़ रुपए का नुकसान

बाढ़ से नुकसान ज्यादा राहत राशि ढाई गुना कम

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में बाढ़ की वजह से हर साल औसतन 15 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। इस बीच, केंद्र सरकार ने इस साल बाढ़ से प्रभावित हुए 14 राज्यों के लिए 5858.6 करोड़ रुपए जारी किए हैं। ऐसे में बाढ़ से नुकसान की तुलना में राहत राशि करीब ढाई गुना कम है। एसबीआई की पिछले साल प्रकाशित शोध रिपोर्ट 'इकोरैप के अनुसार, 1990 के बाद से भारत को अमेरिका और चीन के बाद सबसे अधिक प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा है। भारत में 1900 के बाद से प्राकृतिक आपदाओं के 764 मामले दर्ज किए गए। 1900 से 2000 तक भारत में 402 जबकि 2001-2022 तक 361 प्राकृतिक घटनाएं दर्ज की गईं। प्राकृतिक आपदाओं में भारत में सबसे अधिक बाढ़ रिकॉर्ड की गई। रिपोर्ट में कहा गया है, लगभग 41 प्रतिशत प्राकृतिक आपदाएं बाढ़ और उसके बाद तूफान के रूप में आईं।

दुनियाभर में बसावट वाले इलाकों में जमकर बरस रहे बादल

इस वर्ष अमेरिका और मध्य यूरोप से लेकर नेपाल तक बाढ़ ने जमकर कहर बरपाया। दुनियाभर में बसावट या बुनियादी ढांचा निर्मित क्षेत्रों में रिकॉर्ड वर्षा दर्ज की गई। किसी जंगल के ऊपर होने वाली बारिश की तुलना में किसी निर्मित क्षेत्र में तीव्र बारिश से बाढ़ आने की आशंका अधिक होती है। विभिन्न देशों की मौसम एजेंसियों के डाटा का आकलन करने पर यह जानकारी सामने आई।

इस साल सबसे ज्यादा प्रभावित ये राज्य

1. केरल के वायनाड में 30 जुलाई को भारी बारिश से भयानक बाढ़ आई और भूस्खलन हुआ। कम से कम 231 लोगों की मौत हो गई। तकरीबन 700 घर और कारोबारी प्रतिष्ठान तबाह हो गए।
2. असम में इस साल बाढ़ से 25 जुलाई तक 117 लोगों की मौत हो चुकी थी। राज्य में दो अगस्त तक 18 हजार लोग प्रभावित हुए थे।
3. गुजरात में बाढ़ से 29 अगस्त तक 35 लोगों की मौत और लगभग 8,500 लोगों को दूसरे स्थानों पर भेजा गया।

बचाव के कदम उठाए पर गंभीरता की कमी

1. **फ्लड जोनिंग :** जल शक्ति मंत्रालय ने राज्यों को कहा है कि वे फ्लड जोनिंग यानी बाढ़ के लिहाज से नाजुक क्षेत्रों को चिह्नित करें। इसके बावजूद, विभिन्न राज्यों की सरकारें इसको लेकर गंभीर नहीं हैं। फ्लड जोनिंग में बाढ़ के लिहाज से नाजुक क्षेत्रों की मैपिंग करनी होती है। इसके अलावा, बाढ़ की घटनाओं के दौरान नुकसान को कम करने के लिए निर्माण कार्यों और भूमि उपयोग पर नियम निर्धारित करना होता है।
2. **बुनियादी ढांचा परियोजनाएं :** बाढ़ को कम करने वाली बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं इस समस्या से निपटने में विफल रही हैं। उदाहरण के लिए पिछले दशकों में बिहार में 3,800 किलोमीटर से ज्यादा तटबंध बनाए गए हैं, लेकिन बाढ़ की समस्या बनी हुई है।
3. **नजरअंदाज होते प्रयास :** बाढ़ को कम करने के लिए दूसरे प्रयास भी किए जा रहे हैं, लेकिन उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, 2011 में पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल ने अनुरोध किया था कि केरल के कुछ क्षेत्रों को पारिस्थितिकी-नाजुक क्षेत्र बनाया जाए। इससे किसी भी नए भारी बुनियादी ढांचे या इमारतों पर रोक लग जाती। उनमें से कुछ क्षेत्र इस साल बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुए।

वादों को पूरा करने में विफल रही भाजपा: खरगे

एजेंसी । चंडीगढ़

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को भाजपा पर तीखा हमला करते हुए उस पर लोगों से किए वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने चरखी दादरी में एक चुनावी सभा में यह भी कहा कि हरियाणा की जनता इस विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को जिताने का फैसला कर चुकी है। खरगे ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर दोनों महान हस्तियों को नमन करता हूं। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा का पाठ पढ़ाया। कहना नहीं चाहता, लेकिन आज के सत्ताधारी लोग कितना सच बोलते है और कितना झूठ। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार के कई झूठ और वादे आप जानते हैं। सरकार ने पिछले 10 वर्षों में इतने वादे किए कि उनकी कोई सीमा नहीं है। खाते में 15 लाख देने से लेकर महंगाई कम करने और सालाना दो करोड़ नौकरी, ये सब झूठ निकला। इस दौरान जनसभा में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक भी मौजूद थे। खरगे ने कहा कि हरियाणा जय जवान, जय किसान की धरती है लेकिन, 10 साल में केंद्र सरकार की डबल इंजन सरकार ने जवान और किसान दोनों को बर्बाद किया।